राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

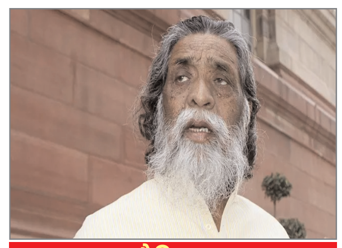

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 01 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 170, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

युवक ने यातायात नियमों की उड़ाई धज्जियां, कार की छत पर बैठकर युवक ने की स्टंटबाजी....03

सरकार ने जीएसटी से रखी आत्मनिर्भर भारत की नींवः हेमा मालिनी....04

क्या यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देगा अमेरिका? क्या बदल सकता है इससे युद्ध का रुख?

क्या अमेरिका रूस में अंदर तक हमला करने के लिए यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें देगा। यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति करने से उसकी मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है. जिससे वह रूसी क्षेत्र के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों, रसद केंद्रों, हवाई अड्डों और कमान केंद्रो सहित उन लक्ष्यों को भेदने में सक्षम हो सकेगा जो वर्तमान में उसकी पहुंच से बाहर हैं. अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के अनुसार यह विषय वर्तमान में ट्रंप प्रशासन के भीतर चर्चा का मुद्दा है. यह बात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की द्वारा संयुक्त राष्ट्र के इतर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद सामने आयी है. यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से लगातार निराश होते जा रहे हैं. जबकि ट्रंप ने सत्ता संभालते ही यूक्रेन युद्ध को 24 घंटे के भीतर समाप्त करने की बात कही थी. ट्रंप ने हाल ही में यूक्रेन युद्ध पर अपना रुख पलटते हुए दावा किया है कि कीव रूस से अपना सारा क्षेत्र वापस ले सकता है. लेकिन टॉमहॉक मिसाइलों के बारे में हम क्या जानते हैं? क्या अमेरिका उन्हें यूक्रेन को देगा? और क्या इससे युद्ध में कोई बदलाव आ सकता है?

क्या है टॉमहॉक मिसाइल?

टॉमहॉक लैंड अटैक मिसाइल एक लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल है, जिसे आमतौर पर गहरे हमले वाले अभियानों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए समुद्र से दागा जाता है. सटीक मार्गदर्शन वाली टॉमहॉक क्रूज मिसाइल 1,000 मील (1,600 किलोमीटर) दूर से यहां तक कि कड़ी सुरक्षा वाले हवाई क्षेत्र में भी लक्ष्य पर प्रहार कर सकती है. यह मिसाइल 20 फीट (6.1 मीटर) लंबी है, इसके पंखों का फैलाव 8.5 फीट है और इसका वजन लगभग 3,330 पाउंड (1,510 किलोग्राम) है. प्रत्येक मिसाइल 454 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकती है।

कई संघर्षों में हुआ इस्तेमाल

इस मिसाइल को सबसे पहले जनरल डायनेमिक्स और बाद में रेथियॉन ने विकसित किया था. इसकी शुरुआत शीत युद्ध के समय से हुई थी, जब अमेरिका एक लंबी दूरी की मिसाइल बनाना चाहता था जो पारंपरिक या परमाणु पेलोड ले जा सके. इसे पहली बार 1983 में सेवा में शामिल किया गया था. संघर्ष के दौरान इसका पहला ऑपरेशन उपयोग 1991 में ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म के दौरान हुआ था. तब से इसका इस्तेमाल कई अमेरिकी संघर्षों में किया गया है, जिनमें ऑपरेशन इराकी फ्रीडम, सूडान और अफगानिस्तान में ऑपरेशन इनफिनिट रीच, लीबिया में ऑपरेशन ओडिसी डॉन और सीरिया में ऑपरेशन इनहेरेंट रिज़ॉल्व शामिल हैं. हालांकि, ऑपरेशन इराकी फ्रीडम के दौरान नेविगेशन संबंधी समस्याओं के कारण मिसाइल की मार्गदर्शन प्रणाली में पुनः बदलाव करना पड़ा।

वर्तमान मिसाइलों से कैसे अलग टॉमहॉक्स

यूक्रेन के पास वर्तमान में कई घरेलू निर्मित और पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलें हैं. फ्लेमिंगो यूक्रेनी कंपनी फायर पॉइंट ने हाल ही में फ्लेमिंगो मिसाइल विकसित की है, जिसे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने अपने देश का सबसे सफल हथियार बताया है. इसकी मारक क्षमता 1,000 मील से ज्यादा है और यूक्रेन ने बताया है कि इसका पहला इस्तेमाल अगस्त 2025 में किया

गया..।

नेपच्यून- यूक्रेन ने नेपच्यून एंटी-शिप मिसाइल विकसित की और 2015 में इसका अनावरण किया. इसके बाद के संस्करणों की रेंज 600 मील से थोड़ी अधिक है।

हार्पून - अमेरिका में बोइंग द्वारा निर्मित हार्पून सभी मौसमों में काम करने वाली जहाज-रोधी मिसाइल है. यह सक्रिय रडार होमिंग का उपयोग करती है और रक्षा से बचने के लिए पानी के ठीक ऊपर उड़ती है. इसे जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों या तटीय बैटरियों से लॉन्च किया जा सकता है और इसकी मारक क्षमता 75 समुद्री मील है।

क्या टॉमहॉक्स से बदलेगा रुख?

यूक्रेन लंबे समय से रूस पर पलटवार करने के लिए अपने सहयोगियों से ऐसे लंबी दूरी के हथियारों की मांग कर रहा है. दरअसल, ट्रंप के पूर्ववर्ती जो बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंत में यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने से इनकार कर दिया था. कीव के पास ऐसा हथियार होने से वह खुद मास्को को निशाना बना सकता है - जिसे रूस एक खतरनाक बढ़त के रूप में देखेगा. ट्रंप अब तक यूक्रेन को केवल 'रक्षात्मक हथियार' दिए जाने पर अड़े रहे हैं. हालांकि, हाल ही में ट्रंप ने नाटो और यूरोपीय देशों को हथियार बेचने पर सहमति जतायी है, जो इन्हें यूक्रेन को दे सकते हैं. यूक्रेनी सुरक्षा एवं सहयोग केंद्र के अध्यक्ष सेरही कुज़ान ने बताया, "तर्क सरल और समझने योग्य है. अगर रूस के पास लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें हैं तो यूक्रेन के पास भी उतनी ही गहराई पर स्थित लक्ष्यों पर हमला करने की वैसी ही क्षमताएं होनी चाहिए." यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार कुज़ान ने आगे कहा, "अगर कोई कहता है कि यह असंभव है तो मैं आपको याद दिला दूं कि हाल ही में हमें टैंक देने से मना कर दिया गया था और F-16 विमानों की आपूर्ति पर सहमति बनने में काफी समय लगा. हमारा लक्ष्य बदला नहीं है. सभी उपलब्ध प्रकार के हथियार जल्द से जल्द यूक्रेन को पहुंचाए जाएं." विशेषज्ञों का कहना है कि कम से कम इससे पुतिन को सौदेबाजी की मेज पर लाया जा सकता है।

क्रेमलिन ने दिया क्या जवाब

रूस ने कहा कि वह इस बात का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करेगा कि यूक्रेन को आपूर्ति की जाने वाली अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलें अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराए गए लक्ष्यीकरण डेटा का उपयोग करके तो नहीं दागी गई थीं. वेंस की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस उनका सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है. उन्होंने कहा, "पहले की तरह सवाल यह है कि इन मिसाइलों को कौन दाग सकता है? क्या सिर्फ यूक्रेनियन ही इन्हें दाग सकते हैं, या अमेरिकी सैनिकों को भी ऐसा करना होगा? इसका बहुत गहन विश्लेषण जरूरी है. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले कहा था कि यदि पश्चिमी देश यूक्रेन को रूस के भीतर तक मिसाइलें दागने में सक्षम बनाने के लिए हथियार उपलब्ध कराते हैं तो वे स्वयं को युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से भागीदार बना लेंगे।

आजम खान ने कहा कि जेल में मुझे दिया गया स्लो पॉइजन...

● शाहिद सिद्दीकी ने किया था दावा, अब सपा नेता ने बताई सच्चाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

करीब दो साल (23 महीने) बाद सीतापुर जेल से रिहा हुए सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान से मिलने के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद और पत्रकार शाहिद सिद्दीकी पहुंचे थे। इस मुलाकात के बाद शाहिद सिद्दीकी ने एक सनसनीखेज दावा कर दिया था। उन्होंने दावा किया था कि आजम खान ने उनसे कहा कि जेल में उनको और उनके बेटे अब्दुल्लाह को कथित तौर पर धीमा जहर (स्लो पॉइजन) दिया गया था। अब इस दावे की सच्चाई आजम खान ने बताई है।

शाहिद सिद्दीकी का दावा

सिद्दीकी ने दावा किया था कि आजम खान ने उनसे कहा कि जेल में उनको और उनके बेटे अब्दुल्लाह को कथित तौर पर धीमा जहर (स्लो पॉइजन) दिया गया था। आजम खान ने खाने में जहर की भनक लगते ही जेल में मिलने वाला खाना लेना बंद कर दिया और खुद खाना बनाना शुरू कर दिया था। उन्होंने महसूस किया कि उनकी हत्या की साजिश रची जा रही थी। सिद्दीकी ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि आजम खान की बातों में मुख्तार अंसारी की जेल में हुई मौत का भी ज़िक्र था। शाहिद सिद्दीकी के दावों के मुताबिक आजम खान ने कहा कि वो उनकी पत्नी और बेटे सभी बीजेपी के निशाने पर हैं और वे पूरे परिवार को खत्म करना चाहते हैं।

शाहिद सिद्दीकी के दावे पर क्या बोले आजम खान?

आजम खान ने पूर्व राज्यसभा सांसद शाहिद सिद्दीकी के आरोप को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि उनको कुछ गलतफहमी हो गई है। मैंने उनसे यह कहा था कि जब टीवी पर मुख्तार अंसारी की मौत की खबर मिली और ये भी खबर मिली कि उसे धीमा जहर दिया जा रहा था। उस खबर से मैं काफी सचेत हो गया। खाने-पीने को लेकर काफी सतर्क हो गया था। मैं खुद तो खाना बना नहीं सकता था। दोपहर में एक पतली रोटी खाता था और शाम को भी आधी रोटी खाता था। पेट भरने के लिए नींबू से आचार बना लिया करता था।

नवरात्रि में वेज की जगह नॉनवेज डिलिवरी! Swiggy ने SP नेता की आस्था से किया खिलवाड़

● तुड़वाई 23 साल की तपस्या, पनीर रोल किया आर्डर...भेज दिया चिकन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जौनपुर- उत्तर प्रदेश के जौनपुर में ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप स्विगी की बड़ी लापरवाही सामने आई है। स्विगी ने एक सपा नेता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुए 23 साल की तपस्या तोड़ दी है। सपा नेता अमित यादव ने नवरात्रि के पवित्र महीने में शाकाहारी भोजन का ऑर्डर दिया था। सपा नेता को पनीर रोल के बजाय चिकन रोल डिलीवर कर दिया गया।

23 साल पुरानी तपस्या भंग

समाजवादी पार्टी के मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने इस घटना को लेकर उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराते हुए कंपनी और रेस्टोरेंट से माफी व मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्विगी के इस कृत्य से उनकी 23 साल पुरानी तपस्या भंग हो गई है। अमित यादव ने जौनपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम में मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

बेटे की जिद पर किया था ऑर्डर

26 सितंबर को हुसैनाबाद के रहने वाले अमित यादव ने अपने बेटे अरिहंत के कहने पर स्विगी एप के जरिए शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के उर्दू बाजार स्थित तंदूरी दरबार रेस्टोरेंट से दो पनीर रोल ऑर्डर किए थे। लेकिन उन्हें एक पनीर रोल के साथ एक चिकन रोल भेज दिया गया। पार्सल खोलकर अमित ने बेटे के साथ रोल खाना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद स्वाद से उन्हें शक हुआ। ध्यान से देखने पर पता चला कि उन्हें चिकन रोल भेजा गया है।

मां की सलाह पर अपनाया शाकाहारी जीवन

अमित यादव ने बताया कि 23 साल पहले सावन के महीने में उनकी मां ने शाकाहारी जीवन अपनाने की सलाह दी थी। जिसका उन्होंने अबतक कड़ाई से पालन किया। सपा नेता का कहना है कि इस साल उनकी मां का देहांत हो गया था। जिससे वे पहले ही दुखी थे। अब इस घटना ने उन्हें अलग पछतावे में डाल दिया है।

ये खान-पान की भूल नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था पर प्रहार है

उन्होंने कहा, ÷नवरात्रि के में ऐसी गलती से मेरी तपस्या भंग हो गई। यह केवल खान-पान की भूल नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था पर प्रहार है। बच्चे के साथ खा लिया, अब पछतावा हो रहा है।" उन्होंने तुरंत डिलीवरी बॉय से संपर्क किया, लेकिन उन्हें एप पर शिकायत करने को कहा गया। स्विगी से ईमेल के जरिए मामले की शिकायत की गई। 24 घंटे बाद जवाब आया कि 150 रुपये रिफंड किए जाएंगे और रेस्टोरेंट के खिलाफ स्न्नस्स्ढ्ढ (फूड सेफ्टी अथॉरिटी) में शिकायत करें। हालांकि दो दिन बाद भी न रिफंड मिला, न कोई कार्रवाई हुई। अमित ने कहा, "कंपनी ने न माफी मांगी, न जिम्मेदारी ली. ऐसे मामलों में शाकाहारी ग्राहकों की भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए."

रेस्टोरेंट मालिक ने कहा- 'ऑर्डर एक्सचेंज हो गया, जल्द मुआवजा देंगे'

रेस्टोरेंट के मालिक शाहनवाज ने घटना को स्वीकारते हुए कहा कि यह डिलीवरी बॉय की गलती से हुआ है। शाहनवाज ने आगे कहा, "ऑर्डर एक्सचेंज हो गया। हमने तुरंत जांच की, लेकिन कोआर्डिनेशन में देरी हुई। ग्राहक की भावनाओं का सम्मान करते हैं, जल्द मुआवजा देंगे।"

संक्षिप्त ख़बरें

साइकिल सवार छात्र सड़क दुर्घटना में घायल

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के निहस्था गांव के निकट सोमवार को स्कूल से घर वापस लौट रहा आठवीं का छात्र सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा गया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लालाखेड़ा गांव निवासी शुभम पुत्र दुर्गेश साइकिल पर सवार होकर छुट्टी के बाद स्कूल से घर लौट रहा था। तभी लालगंज उन्नाव हाईवे पर गांव के मोड़ के निकट उसका संतुलन बिगड़ गया। जिससे वह गुलाटी खाता हुआ सड़क पर काफी दूर तक घिसटता चला गया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। फौरन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत छात्रा बनी एक दिन की प्रधानाचार्य

देवरिया। जनपद के रामपुर पोखरा पार स्थित बापू राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत कक्षा 8 की छात्रा कंचन यादव को एक दिन के लिए विद्यालय का प्रधानाचार्य बनने का अवसर मिला। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को नेतृत्व का अनुभव दिलाना और उनमें आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता एवं नेतृत्व कौशल का विकास करना है। इस दौरान कंचन यादव ने विद्यालय संचालन की जिम्मेदारी संभाली, शिक्षकों एवं सहपाठियों से संवाद किया और अनुशासन, शिक्षा तथा स्वावलंबन पर बल दिया। विद्यालय प्रशासन ने इसे एक प्रेरणादायक प्रयास बताते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियों से बालिकाओं में समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने की ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। छात्राओं में भी कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

न्यायिक व्यवस्था को 'बाधा' बताने वाले पीएम के सलाहकार संजीव सान्याल के ख़िलाफ़ अवमानना याचिका दायर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के दो वकीलों ने भारत के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल के खिलाफ अवमानना याचिका शुरू करने की अनुमति मांगी है। दरअसल संजीव सान्याल ने हाल ही में कहा था कि भारतीय न्यायपालिका, स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक 'विकसित राष्ट्र' बनाने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की महत्वाकांक्षी पहल विकसित भारत के लिए 'सबसे बड़ी बाधा' है.यह अनुरोध सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व सचिव, अधिवक्ता रोहित पांडे और एसोसिएशन के सदस्य एवं अधिवक्ता उज्ज्वल गौड़ द्वारा किया गया है. ज्ञात हो कि न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15 के तहत, निजी व्यक्तियों द्वारा न्यायालय की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने से पहले अटॉर्नी जनरल की अनुमति लेना आवश्यक है।

द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'वकीलों के अनुसार सान्याल को इस बात के लिए फटकार लगानी चाहिए कि उन्होंने देश की न्यायिक व्यवस्था और कानूनी पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा बताया।'

उल्लेखनीय है कि 20 सितंबर को न्याय निर्माण 2025 सम्मेलन में बोलते हुए सान्याल ने कहा था, 'हमारे पास विकसित भारत बनने के लिए प्रभावी रूप से 20-25 साल का समय है।' उन्होंने आगे कहा था कि 'न्यायिक प्रणाली और कानूनी पारिस्थितिकी तंत्र, विशेष रूप से न्यायिक प्रणाली अब मेरे विचार से विकसित भारत बनने और तेज़ी से आगे बढ़ने में सबसे बड़ी बाधा है.'

खबरों के अनुसार, 'पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य ने धीमे विवाद समाधान और अनुबंधों को समय पर लागू करने या न्याय देने में असमर्थता को प्रमुख समस्याओं के रूप में रेखांकित किया था, जो नीति निर्माताओं को नियमों को ज़रूरत से ज़्यादा संशोधित करने के लिए मजबूर करती हैं।'

अवमानना मामले में अटॉर्नी जनरल को लिखे पत्र में सुप्रीम कोर्ट के वकीलों ने सान्याल द्वारा न्यायपालिका पर की गई कुछ अन्य टिप्पणियों, जिनमें अवकाश का ज़िक्र भी शामिल है, पर भी प्रकाश डाला। सान्याल ने कथित तौर पर कहा था, 'न्यायपालिका भी राज्य के किसी भी अन्य हिस्से की तरह एक सार्वजनिक सेवा है. मान लीजिए कि डॉक्टर तय करते हैं कि हम गर्मी की छुट्टियां, दशहरा की छुट्टियां, सर्दियों की छुट्टियां लेंगे और अस्पताल बंद कर देंगेज तो क्या यह स्वीकार्य होगा? अदालतों के लिए यह स्वीकार्य क्यों है?'

पत्र में उल्लेख किया गया है कि सान्याल ने 'कानूनी पेशे की तुलना 'स्तरीकरण की जाति व्यवस्था वाले मध्ययुगीन तरीके' से की है, और

वरिष्ठ अधिवक्ताओं, अधिवक्ताओं के अस्तित्व पर सवाल उठाया है, और यहां तक कि अदालत में मामलों पर बहस करने के लिए कानून की डिग्री की आवश्यकता पर भी सवाल उठाया है।'

पत्र में आगे कहा गया है, 'हालांकि, लोकतंत्र में कानूनी प्रक्रियाओं की सम्मानजनक और रचनात्मक आलोचना स्वीकार्य और वांछनीय दोनों है, लेकिन उपरोक्त टिप्पणियां, विशेष रूप से न्यायपालिका को राष्ट्रीय प्रगति में 'सबसे बड़ी बाधा' बताना और बार को 'मध्ययुगीन संघ' बताकर खारिज करना, पूरी न्यायिक व्यवस्था पर एक व्यापक हमला है.' गौरतलब है कि अपने विवादास्पद बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले सान्याल इस महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक ऑनलाइन विवाद में फंस गए थे, जब उन्होंने चार्ली किर्क की हत्या के बाद अमेरिका में राजनीतिक तनाव की तुलना अमेरिकी गृहयुद्ध के पहले के समय से की थी।

Pakistan के कब्जे से आजाद होगा कश्मीर, भयानक हालात के बीच लोगों ने काटा बवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत के कश्मीर पर कब्जा करके बैठा पाकिस्तान पिछले 70 सालों से लगातार कश्मीर के इस हिस्से को बर्बाद कर रहा है। इसकी तबाही की कहानी वो हर रोज लिखता है। इस पर काम न करके यहां के लोगों को नुकसान पहुंचा के विकास रोककर यहां के लोगों को पाकिस्तान हर दिन मार रहा है। लेकिन अब ये ज्यादा दिन नहीं चलेगा। 70 सालों का गुस्सा पीओके में फिर भड़क रहा है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इस समय लोगों का गुस्सा पाकिस्तान पर फूट पड़ा है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हाल के वर्षों में सबसे बड़ी अशांति देखी गई, जहाँ हज़ारों लोग शहबाज़ शरीफ़ सरकार के विरोध में सड़कों पर उतर आए। गठबंधन ने घोषणा की कि विरोध प्रदर्शनों का अगला चरण 15 अक्टूबर से शुरू होगा। इस अशांति के जवाब में पाकिस्तान सरकार ने क्षेत्र में सशस्त्र काफिले तैनात किए, जिनमें पंजाब प्रांत से हज़ारों सैनिक शामिल थे। इस्लामाबाद से भी 1,000 अतिरिक्त पुलिसकर्मी भेजे गए। विरोध प्रदर्शन की आशंका में सप्ताहांत में प्रवेश और निकास द्वार सील कर दिए गए थे, लेकिन अन्य जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। यह अशांति हाल ही में एएसी , पाकिस्तान सरकार के मंत्रियों और POK प्रशासन के बीच वार्ता विफल होने के बाद हुई है। एएसी द्वारा अभिजात वर्ग के विशेषाधिकारों और शरणार्थी सीटों को समाप्त करने पर समझौता करने से इनकार करने के बाद मैराथन वार्ता विफल हो गई।

भ्रष्टाचार, उपेक्षा और बुनियादी अधिकारों से वंचित करने जैसे लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों के खिलाफ स्थानीय लोगों को लामबंद

करने के लिए लोकप्रिय हुई एएसी ने पाकिस्तान सरकार के समक्ष 38-सूत्रीय मांगों का एक चार्टर पेश किया है। इन मांगों में पाकिस्तान में रह रहे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए पीओके विधानसभा में आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना, जिसके बारे में स्थानीय लोगों का कहना है कि यह प्रतिनिधि शासन को कमजोर करता है, रियायती आटा और उचित बिजली दरें; और लंबे समय से लंबित सुधारों को लागू करना शामिल है।

करूर में जहां हुआ था हादसा, वहां जाएगा NDA डेलिगेशन, पीड़ित परिवारों से करेगा मुलाकात

● करूर में शनिवार को विजय की रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हो गए थे. एनडीए का 8 सदस्यीय डेलिगेशन हादसे वाली जगह जाएगा. किन वजहों से ये हादसा हुआ, उसपर अपनी रिपोर्ट देगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

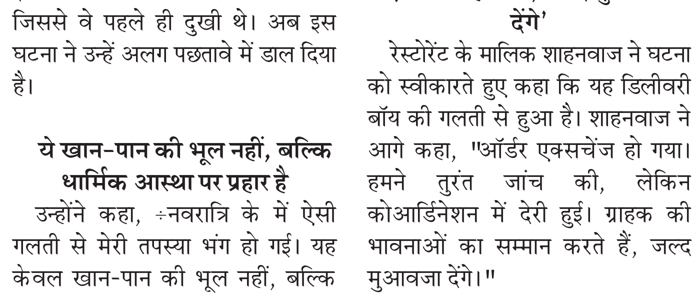

तमिलनाडु के करूर हादसे वाली जगह पर एनडीए का 8 सदस्यीय डेलिगेशन जाएगा. यह डेलिगेशन पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेगा और किन वजहों से ये हादसा हुआ उसपर अपनी रिपोर्ट देगा. बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस डेलीगेशन का गठन किया. सदस्यों में बीजेपी से हेमा मालिनी, अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, बृजलाल, अपराजिता सारंगी, रेखा शर्मा शामिल हैं. ये सभी बीजेपी से हैं मथुरा से बीजेपी सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी इस डेलिगेशन की संयोजक हैं और इसके सदस्यों में शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और तेदेपा के पुट्टा महेश कुमार शामिल हैं. हेमा मालिनी खुद एक तमिल हैं. करूर में शनिवार रात विजय की रैली में भगदड़ मच गई थी. इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक संख्या में लोग घायल हो गए थे।

C M स्टालिन ने की पीड़ितों से मुलाकात

हादसे के अगले दिन यानी रविवार को मिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की. उन्होंने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपये देने की घोषणा की. वहीं, डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने एक्टर विजय की पार्टी ञ्जङ्कय् पर जानबूझकर भीड़ बढ़ाने का आरोप लगाया।

करूर में कैसे मची भगदड़?

दरअसल, अभिनेता से नेता विजय की रैली दोपहर 12:30 बजे से शुरू होगी, ऐसी घोषणा थी, लेकिन करीब छह घंटे की देरी के बाद शाम करीब 7:40 बजे पहुंचे. भीड़ सुबह 11 बजे से जमा हो रही थी. 10,000 की क्षमता वाले स्थान पर करीब 27-30 हजार लोग जमा हो गए. विजय को देखने के लिए लोग भूखे-प्यासे घंटों धूप में खड़े रहे. भीड़ बढ़ने की वजह से भगदड़ मची।

दुर्गा द्वारा असुर विनाश-आत्मा के दिव्य गुणों की विजय

हिन्दू पुराणों में एक कथा आती है कि प्राचीनकाल में देवों व दानवों, सुर व असुरों में परस्पर बार-बार युद्ध होता रहता था। देवासुर-संग्राम की कुछ चर्चा भगवतीसूत्र में भी आती है। किन्तु वहीं पर इन्द्रदेव मध्यस्थता करता है। हिन्दू पुराणों में इन्द्र देवताओं का पक्ष लेता है। अस्तु, पुराणों में बताया है असुरी के साथ जब भी देवताओं का युद्ध होता ती देवता हार जाते, असुर जीत जातोइसका एक कारण था सभी देवगण एकजुट नहीं हो पाते थे, जबकि असुर एक साथ मिल जाते थे। दूसरी बात देवगण सुखप्रिय ज्यादा थे जबकि असुररगण कष्ट-सहिष्णु। इस कारण बार-बार असुरी से मात खा जाते थे। देवगण अपनी पराजय से खिन्न होकर प्रजापति ब्रह्मा के पास गये। अपनी हार का कारण पूछने पर प्रजापति ने कहा - देवत्व कभी नहीं हारता, किन्तु हारती है विश्रृंखलता। तुम सब देवगण शक्ति-सम्पन्न तो हो, परन्तु परस्पर संगठित नहीं हो। फूट या विशृंखलता ही तुम्हारी हार का कारण है। अगर असुरों को जीतना है तो संगठित बनो। एक संघीय घनीभूत शक्ति बनो, तभी तुम शक्ति-सम्पन्न राक्षसों पर विजय प्राप्त कर सकते हो। देवताओं ने प्रजापति से प्रार्थना की, आप हमारी शक्ति को संगठित कीजिये।प्रजापति ने सभी देवताओं की थोड़ी-थोड़ी शक्ति ली। सब दिव्य शक्तियों को केन्द्रित करके फिर उसे अभिमंत्रित किया तो वह दुर्गा के रूप में प्रकट हुई।हिन्दू पुराणों में दुर्गा के अवतरण की यह कहानी मिलती है।दुर्गा का अर्थ है किला। एक संगठित और केन्द्रित शक्ति। उस केन्द्रित शक्ति का रूप है दुर्गा। फिर दुर्गा पराक्रम एवं साहस के प्रतीक सिंह पर आरूढ़ होती है। अर्थात् दिव्य शक्तियाँ संगठित होकर साहस और पुरुषार्थ पराक्रम के बल पर असुरों (बुराइयों) पर विजय प्राप्त कर लेती हैं। दुर्गा की अष्ट भुजाएँ आत्मा के आठ दिव्य गुणों की प्रतीक हैं। प्रत्येक आत्मा के भीतर आठ स्वाभाविक गुण विद्यमान होते हैं। ज्ञान, दर्शन, आनन्द, अनन्त शक्ति, अनन्त सुख आदि। ये आठ गुण जब आत्मारूप दुर्गा में भुजा के रूप में प्रकट होकर शक्ति का स्फोट करते हैं तो उसकी शक्ति संसार में अजेय हो जाती है। स्मृति एवं पुराणकारों ने दुर्गा की आठ भुजाओं को आठ बलों के रूप में भी गिना है। जैसे-विद्या बल, शरीर बल, बुद्धि बल, धन बल, मित्र बल, मनोबल, शस्त्र बल और धर्म बल। ये आठ बल संगठित होकर किसी भी दुर्जेय शत्रु को जीतने में समर्थ हो जाते हैं। दुर्गा अवतरण संगठन एवं पराक्रम का प्रतीक है। दुर्गा ने सिंह पर बैठकर अपने त्रिशूल से सबसे बड़े तीन दैत्यों का संहार किया। उनके नाम थे-महिषासुर, मधुकैटम और शुभ-निशुंभ। इन तीनों का संहार करते ही असुरों का विनाश हो गया। असुरों की सेना हार गई। तो यह दैत्य विजय का दिन था। इसलिए यह विजय दशमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ।अब इस पौराणिक कथा को आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में समझें तो इसका स्पष्ट अर्थ है-देवता, आत्मा की दिव्य शक्ति का प्रतीक है। आत्मा की दिव्य शक्तियाँ अर्थात् आत्मा के सत्य, शील आदि सद्?गुण जब संगठित और एकीकृत हो जाते हैं तो वे दुर्गा के रूप में एक अजेय शक्ति बन जाते हैं। आत्मा जब तक प्रमाद व आलस्य से ग्रस्त रहता है, वह विकार रूप असुरों से हारता है। किंतु प्रमाद त्यागकर तप और साधना में लीन होता है तो उसकी शक्ति का स्कोर होता है। आत्मा की यह अजेय शक्ति सबसे पहले महिषासुर का विनाश करती है। महिष का अर्थ है पैसा। भैंसा आलस्य का प्रतीक है। आलस्य अर्थात् प्रमाद। प्रमाद या आलस्य आत्मा का सबसे बड़ा शत्रु है-"आलस्यो हि मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः।"-आलस्य शरीर के भीतर छुपा हुआ सबसे बड़ा शत्रु है। बुद्ध ने कहा है-पमादो मच्चुनो पदं।-प्रमादमृत्यु का स्थान है। भगवान महावीर कहते हैं "दुक्खं केण कड़े ? जीवेण कड़े पमादेण।" संसार में जितने भी दुःख हैं वे सब जीव-आत्मा प्रमाद के वश होकर करता है। जिस प्रकार राक्षस शुभ गुणरूप देवताओं का नाश करता है उसी प्रकार प्रमाद, शील, सन्तोष, संयम और साधना का नाश करने वाला दुष्ट राक्षस है। इस प्रमाद रूप महिषासुर का नाश करने वाली दिव्य आत्मा है दुर्गा। दुर्गा ने जिस दूसरे असुर का नाश किया उसका नाम है मधुकैटम । मधु नाम है-मद का और कैटभ का अर्थ है-कैतव-कपट । माया-दंभ ! मधुकैटभ असुर मद और कपट, अहंकार और दंभ का प्रतीक है। आत्मारूप दुर्गा दर्ष और दंभ नामक असुरों का नाश करके विजयी बनता है। मधुकैटभ का एक पुराणकार ने अर्थ किया है-असंयम। असंयम वह राक्षस है, जो आत्मा को पतित कर आत्म-गुणों का नाश करता है। अष्टभुजा दुर्गा ने जिस तीसरे राक्षस का संहार किया उसका नाम है शुभ-निशुंभ। यह मोह का प्रतीक है। मोह आत्मा का सबसे प्रबल शत्रु है। भगवान महावीर कहते हैं- मोहो हओ जस्स न किंचणाइ।" जिसने मोहरूपी शत्रु का नाश कर दिया उसका संसार में दूसरा कोई शत्रु नहीं है। मौह को जीतने वाला अजातशत्रु संसार का पिता तुल्य परम वत्सल पुरुष होता है। उसे वीतराग कहते हैं। हिन्दू पुराणों में दुर्गा को माता माना है। माता परम वत्सला होती है। वह जीव मात्र का कल्याण करने वाली है। तो इस रूप में दुर्गा द्वारा शुंभ-निशुंभ का संहार करने का प्रतीक अर्थ है-आत्मा के केन्द्रीकृत दिव्य गुणों की शक्ति द्वारा मोहरूपी राक्षस पर विजय प्राप्त करना। इस प्रकार अष्टभुजा दुर्गा आत्मा के आठ गुणों को प्रतीक मानकर तीन दुष्ट राक्षसों को-आलस्य, मद और मोह का प्रतीक मानने से विजय पर्व का अर्थ होता है-आत्मा द्वारा अशुभ शक्तियों पर विजय प्राप्त करना।

अर्जुन ने की मां दुर्गा की स्तुति

महाभारत युद्ध पारंभ होने से पूर्व जब कौरव और पांडवों की सेनाए कुरुक्षेत्र में पहुंच चुकी थी और दोनों सेनाओं के योद्धा एक दूसरे को आमने सामने देखकर युद्ध के लिए लालायित हो रहे थे उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपने प्रिय सखा अर्जुन को युद्ध में विजय प्राप्ति हेतु मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने को सलाह दी ।भगवान श्रीकृष्ण की सलाह पर अर्जुन ने अपने रथ से नीचे उतरकर मां दुर्गा की स्तुति की, उस समय अर्जुन ने अपने मुख से मां भगवती के प्रसनार्थ इस प्रकार प्रार्थना की मंदराचल पर निवास करने वाले सिद्धों को सेनानेत्री तुम्हें बारम्बार नमस्कार है तुम ही कुमारी काली, कापाली कपिला,कृष्णपिगला, भद्रकाली और महाकाली आदि नामों प्रचण्ड कोप करने के कारण तुम चंडी कहलाती हो । भक्तों को संकट से तारने के कारण तारिणी हो ।तुमः ही पूजनीया कात्यायनी हो ।तुम ही विजया और जया के नाम से विख्यात हो। मोरपंख की तुम्हारी ध्वजा है। तुम भंयकर त्रिशूल, खंड और खेटक आदि आयुधों को धारण करती हो। महिषासुर का रक्त बहाकर तुम्हें बड़ी प्रसन्नता हुई थी।तुम कोशिक गोत्र में अवतार लेने के कारण कौशिकी नाम से भी प्रसिद्ध हो। तुम पीताम्बर धारण करती हो ।उमा शाकम्भरी, श्वेता कृष्णा, कैटभनाशिनी, हिरण्याक्षी, विरूपाक्षी और सुधुम्राक्षी आदि नाम धारण करने वाली हो। तुम ही वेदों को श्रुति हो ।तुम ही जातवेदा अधि की शक्ति हो जम्बू, कटक और चैत्य वृक्षों में तुम्हारा नित्य निवास है। सावित्री वेदमाता स्वधा कला काष्ठा ,सरस्वती वेदमाता वेदांत,ये सब तुम्हारे ही नाम है। मैने विशुद्ध हृदय से तुम्हारा स्तवन किया है ।इस रणांगण में मेरी सदा ही जय हो। अर्जुन के इस भक्तिभाव का अनुभव करके सभी जीवों पर वात्सल्य भाव रखने वाली माता दुर्गा अंतरिक्ष में उसके सामने आकर खड़ी हो गई और बोली, हे पार्थ। दुर्धष वीर। तुम तो साक्षात नर हो, साक्षात नारायण हो।तुम्हारे सहायक हैं। तुम रणक्षेत्र में शत्रुओं के लिए अजेय हो ऐसा वरदान देकर देवी दुर्गा वहां से अंतर्ध्यान हो गई। यह वर पाकर पांडु पुत्र अर्जुन को अपनी विजय का विश्वास हो गया। फिर वे अपने परम सुंदर रथ पर आरूढ़ होकर युद्ध के लिए उद्यत हुए।

कांतिलाल मांडोत

आखिर भगदड़ में कब तक निर्दोष गंवाते रहेंगे अपनी जान ?

अजीब दीवानगी है एक चहेते हीरो की रैली में शामिल होने के लिए चालीस जान चली गई अपने देश में भगदड़ से आम लोगों की मौत होना एक नियति बनती जा रही है, क्योंकि देश के किसी न किसी हिस्से में कुछ समय के अंतराल पर ऐसी खबरें आती ही रहती है। दुःखद पहलू यह है कि जब भी ऐसी कोई खबर आती है, तो दुःख जताने के साथ जांच कमेटी बैठा दी जाती है। साथ ही मुआवजा देकर मरहम लगाकर लीपापोती कर दी जाती है, लेकिन इससे सबक लेते हुए इसको रोकने के लिए कदम कम ही उठाये जाते हैं। इसी कड़ी में तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ में मृतकों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है। कभी कोई धार्मिक आयोजन मंदिर दर्शन कुंभ स्नान खेल मैदान या धर्मगुरु बाबा की रैली निर्दोषों की जान लेती है तो इस बार राजनीति में पैर जमा रहे हीरो के चक्कर में बेगुनाहों की मौत हो गई। मिल रही जानकारी के अनुसार वह इस भगदड़ को लेकर कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है. उनकी पार्टी कोर्ट में सामने इस हादसे को लेकर संदेह जता रही है. कोर्ट से इस मामले की जांच कराने की मांग भी कर सकते हैं. कहा जा रहा है उनकी पार्टी ने कोर्ट को बताया कि इस पूरे हादसे के पीछे एक सोची समझी साजिश है, ये साजिश किसने रची इसकी जांच कराना जरूरी है. इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई हो सकती है। आपको बता दें कि अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके ने कल करूर में हुई रैली में हुई भगदड़ के पीछे डीएमके की साज़िश का आरोप लगाया है. इस भगदड़ में 39 लोग मारे गए और लगभग 100 घायल हुए. टीवीके के वकील अरिवझगन ने एनडीटीवी को बताया कि पार्टी ने मद्रास उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है जिसमें अदालत से एक विशेष जांच दल गठित करने या मामले को केंद्रीय एजेंसी सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया गया है। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं. मृतकों का आकंड़ा बढ़ने की आशंका है. इस साल 2025 में मंदिरों, रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में भगदड़ में कई लोगों की जान गई है. देश में पिछले दो दशक में दो दर्जन बार भगदड़ में करीब 1500 लोगों की जानें गई हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। 2025 को भगदड़ दुर्घटनाओं का साल कहा जाए तो गलत नहीं होगा साल की शुरुआत 8 जनवरी, 2025तिरुमाला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालुओं की जान चली गई. दर्जनों लोग घायल हो गए। महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई. मौनी अमावस्या के अवसर पर लाखों तीर्थयात्री स्नान के लिए जगह पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे. भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, 60 लोग घायल हो गए.आइपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हादसा हो गया। विक्ट्री परेड शुरू होने से पहले अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ मची। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हुए।15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भगदड़ मच गई. भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई, 15 घायल हो गए। तीन मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हो गए। आपको बता दें इस से पहले 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई. तीन जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा भोले बाबा उर्फ ?नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' (प्रार्थना सभा) में भगदड़ से 121 लोगों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मंदिर में 31 मार्च 2023 रामनवमी के अवसर पर आयोजित 'हवन' समारोह के दौरान 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों की जान चली गई. 2022 के पहले दिन जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। 29 सितंबर 2017 को मुंबई में पश्चिमी रेलवे के एलफिंस्टन रोड स्टेशन को मध्य रेलवे के परेल स्टेशन से जोड़ने वाले पुल पर मची भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई.गोदावरी नदी के तट पर 14 जुलाई 2015 को हुई भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, 20 घायल हो गए। दशहरा समारोह 3 अक्टूबर 2014 को मेला समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोगों की मौत हो गई. 13 अक्तटूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की जान चली गई और 100 से अधिक घायल हो गए. 19 नवंबर, 2012पटना में गंगा नदी के किनारे अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में 20 लोग मारे गए. 8 नवंबर, 2011हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे घाट पर भगदड़ मचने से 20 लोग मारे गए. 14 जनवरी, 2011केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में जीप के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालु मारे गए, 40 से अधिक घायल हो गए.4 मार्च, 2010उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए। 30 सितंबर, 2008 राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में 250 श्रद्धालु मारे गए, 60 से अधिक घायल हो गए.3 अगस्त, 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान गिरने की अफवाह उड़ी, जिसमें 162 लोग मारे गए. 25 जनवरी, 2005 महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर मेंथा मे थे वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालु कुचलकर मारे गए. 27 अगस्त, 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए.वास्तविकता यही है कि अपने देश में भीड़ नियंत्रण को लेकर ठोस रणनीति नहीं बनती है और यही कारण है कि ऐसे हादसे होते ही रहते हैं। जरूरत है कि भगदड़ जैसी होने वाले त्रासदी को रोकने के लिए नई रणनीति के तहत काम किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

हिंदी लेखन और रॉयल्टी व्यवस्था - एक विवेचन

हिंदी साहित्य जगत में हाल ही में एक ऐसी ख़बर ने हलचल मचा दी है, जिसने लंबे समय से दबे एक सवाल को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह सवाल है-क्या हिंदी में लेखन से जीवन-यापन संभव है? हिंदी के वरिष्ठ कवि और कथाकार विनोद कुमार शुक्ल को छह महीनों से भी कम समय में उनकी चार किताबों की बिक्री पर 30 लाख रुपये की रॉयल्टी मिली है। यह रकम न केवल हैरान करने वाली है बल्कि एक प्रतीक भी है कि हिंदी में लेखन को पेशेवर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। विनोद कुमार शुक्ल ने स्वयं इस अवसर पर कहा कि उन्हें पहली बार ऐसा प्रकाशक मिला है जिसने पूरी ईमानदारी से उनकी किताब पाठकों तक पहुँचाई है। यह रॉयल्टी उनके लिए इस बात का प्रमाण है कि हिंदी में पाठकों की कोई कमी नहीं है, बस अब वे दिखने लगे हैं। उनकी किताब दीवार में एक खिड़की रहती थी की लगभग 90 हज़ार प्रतियां बिक चुकी हैं और इसके साथ ही उनके कविता संग्रहों ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की है। यह आँकड़ा हिंदी साहित्य की दुनिया में अभूतपूर्व है। प्रकाशक हिन्द युग्म का दावा है कि किताबों की हर बिक्री का रिकॉर्ड लेखक के साथ साझा किया जाता है और यह पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था है। यहीं से इस पूरे मामले में हंगामे की शुरुआत होती है। हिंदी के कई वरिष्ठ लेखक इस आँकड़े और इतनी बड़ी रॉयल्टी पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आम तौर पर हिंदी लेखक साल भर में बमुश्किल कुछ हज़ार रुपये ही रॉयल्टी में प्राप्त करते हैं। अलका सरावगी जैसे सम्मानित लेखक कहती हैं कि आम हालात ऐसे हैं कि अगर कोई परिवार केवल लेखक की आमदनी पर निर्भर हो तो दो वक्त की रोटी भी मुश्किल हो जाए। वहीं असगर वजाहत मानते हैं कि विनोद कुमार शुक्ल की रचनाएँ अमूल्य हैं, और उन्हें इससे भी अधिक मिलना चाहिए, लेकिन 30 लाख का हिसाब उनकी समझ से बाहर है।

असल में यह घटना पुराने और नए प्रकाशन तंत्र के बीच गहरे अंतर को उजागर करती है। विनोद कुमार शुक्ल ने खुद बताया कि 1996 में जब उनकी वही किताब वाणी प्रकाशन से प्रकाशित हुई थी, तो अगले 25 वर्षों में उन्हें कुल मिलाकर मात्र 1.35 लाख रुपये की रॉयल्टी मिली, यानी हर साल औसतन केवल पाँच हज़ार रुपये। इसके उलट हिन्द युग्म ने मात्र छह महीनों में 30 लाख रुपये दिए। यही विरोधाभास हिंदी प्रकाशन की अपारदर्शी दुनिया को सामने लाता है। कई प्रकाशकों पर लंबे समय से यह आरोप रहा है कि वे किताबों की बिक्री के आँकड़े छुपाते हैं, रॉयल्टी नहीं देते और लेखक को सिर्फ आभारपूर्ण याचक की स्थिति में रखते हैं। मानव कौल द्वारा दो साल पहले लिखी गई एक पोस्ट ने भी इस मुद्दे को हवा दी थी, जब उन्होंने खुलासा किया कि हिंदी के इतने बड़े लेखक को मात्र चौदह हज़ार रुपये की वार्षिक रॉयल्टी मिलती है। इसके बाद सोशल मीडिया पर उठे विवाद ने दिखाया कि लेखक और प्रकाशक के बीच संबंध कितने असमान और अन्यायपूर्ण रहे हैं। कई लेखकों का कहना है कि प्रकाशक सिर्फ उनकी रॉयल्टी ही नहीं, बल्कि उनकी प्रतिष्ठा और सम्मान भी छीन लेते हैं। इस पृष्ठभूमि में विनोद कुमार शुक्ल को मिली यह रॉयल्टी न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि पूरे हिंदी साहित्यिक समाज के लिए उम्मीद की खिड़की भी है।

यह पहली बार है जब इतनी पारदर्शिता से आँकड़े साझा किए गए हैं और लेखक को उसकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिला है। यह स्थिति बताती है कि अगर ईमानदारी और नए मॉडल के साथ काम किया जाए तो हिंदी किताबें भी लाखों की संख्या में बिक सकती हैं। लेकिन सवाल यही है कि क्या यह रुझान टिकाऊ है? क्या आने वाले समय में अन्य लेखक भी इसी तरह से अपने लेखन से जीवन-यापन कर पाएंगे? हिंदी दुनिया की सबसे बड़ी भाषाओं में से एक है, लेकिन आज तक बहुत कम लेखक ही ऐसे रहे हैं जो केवल लेखन से अपना जीवन चला पाए हों। अधिकांश को शिक्षक, पत्रकार या अन्य पेशों पर निर्भर रहना पड़ा है। इसका कारण यह है कि प्रकाशन जगत में पारदर्शिता और व्यावसायिकता की कमी रही है। फिर भी इस घटना ने यह संदेश दिया है कि बदलाव संभव है। पाठक मौजूद हैं, बस उन्हें सही ढंग से जोड़ा जाए।

तकनीक की मदद से बिक्री का तंत्र पारदर्शी हो सकता है। यदि प्रकाशक ईमानदारी से आँकड़े साझा करें और लेखक को उसका हक़ दें तो हिंदी में भी ऐसे उदाहरण बार-बार देखने को मिल सकते हैं। कई लेखकों का कहना है कि अब समय आ गया है कि किताबों की बिक्री का स्वतंत्र और आधिकारिक लेखा-जोखा रखने वाली एजेंसियाँ बने। ऐसा हुआ तो लेखन को पेशे के रूप में अपनाने वाले युवाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।विनोद कुमार शुक्ल को 30 लाख की रॉयल्टी मिलना हिंदी साहित्य में केवल एक घटना नहीं है, बल्कि यह लंबे समय से दबे सवालों को उजागर करने वाला क्षण है। यह लेखकों के हक़ और उनकी गरिमा के लिए एक बड़ा कदम है। इसे देखकर उम्मीद की जा सकती है कि हिंदी लेखन भी बड़े सपने देख सकता है, और शायद अब यह सवाल-"आप लेखक हैं, लेकिन करते क्या हैं?"-धीरे-धीरे अप्रासंगिक होता चला जाए।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

शब्दों के पार-अनुवादक, भावनाओं और संस्कृतियों के संरक्षक

जहां भाषाएँ टकराती हैं, वहां अनुवादक पुल बनता है

अनुवाद एक ऐसी कला है, जो शब्दों को नहीं, बल्कि आत्माओं को एकाकार करती है। यह महज एक भाषा से दूसरी भाषा में शब्दों का हस्तांतरण नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं और संस्कृतियों को उनकी मूल गहराई के साथ दूसरी दुनिया तक पहुंचाने का पवित्र प्रयास है। हर साल 30 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस इस कला की महत्ता को रेखांकित करता है और हमें इसे संजोने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन उन अनाम नायकों को सम्मानित करने का पर्व है, जो भाषा की दीवारों को तोड़कर मानवता को एकता के सूत्र में बांधते हैं। यह न केवल अनुवादकों का उत्सव है, बल्कि उन सभी की गाथा है, जो भाषा के माध्यम से विश्व को अधिक संवेदनशील और समावेशी बनाने में योगदान देते हैं। अनुवाद का इतिहास मानव सभ्यता जितना ही प्राचीन है। प्राचीन काल से ही लोग संवाद की खाई को पाटने के लिए अनुवाद का सहारा लेते आए हैं। चौथी शताब्दी में संत जेरोम ने बाइबिल का लैटिन में अनुवाद कर 'वुल्गेट' की रचना की, जो न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और भाषाई एकीकरण की आधारशिला बनी। आज अनुवाद का दायरा धार्मिक या साहित्यिक ग्रंथों से कहीं आगे निकल चुका है। यह वैश्वीकरण, शिक्षा, विज्ञान, व्यापार और मानवीय रिश्तों की नींव बन गया है, जो दुनिया को एक साझा मंच पर लाता है। यदि अनुवाद न होता, तो क्या उपनिषदों और भगवद्गीता जैसे भारतीय ग्रंथ विश्व मंच पर अपनी अमिट छाप छोड़ पाते? क्या रवींद्रनाथ टैगोर की कविताएं या प्रेमचंद की कहानियां वैश्विक साहित्य का अभिन्न हिस्सा बन पातीं? अनुवाद ने न केवल भारतीय साहित्य को विश्व तक पहुंचाया, बल्कि शेक्सपियर, दोस्तोयेव्स्की और गाब्रियल गार्सिया मार्केज जैसे साहित्यकारों को भारतीय पाठकों के दिलों तक लाया। यह एक ऐसा सेतु है, जो विचारों और भावनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान करता है। अनुवादक इस सेतु के कुशल शिल्पकार हैं, जो प्रत्येक शब्द और भाव को इस तरह तराशते हैं कि वह नई भाषा में अपनी मूल आत्मा के साथ जीवंत हो उठता है। अनुवाद एक ऐसी कला है, जो शब्दों को नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ती है। यह केवल शब्दों का एक भाषा से दूसरी में रूपांतरण नहीं, बल्कि संस्कृतियों, भावनाओं और इतिहास को उनकी मूल संवेदनशीलता के साथ जीवंत करने का सृजनात्मक प्रयास है। उदाहरण के लिए, हिंदी का शब्द "आत्मीयता" अपने आप में एक गहरे मानवीय बंधन का प्रतीक है, जिसे अंग्रेजी के "warmth" या "affection" जैसे शब्द पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते। अनुवादक को न केवल दोनों भाषाओं का गहन ज्ञान चाहिए, बल्कि उसे संस्कृतियों की सूक्ष्म बारीकियों को समझकर यह तय करना होता है कि कब शाब्दिक अर्थ को प्राथमिकता देनी है और कब भावनात्मक गहराई को। यह एक तार पर चलने जैसा संतुलन है, जहां रचनात्मकता और सटीकता का मेल अनिवार्य है। डिजिटल युग ने अनुवाद की भूमिका को और भी विस्तृत कर दिया है। मशीन अनुवाद और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैसे गूगल ट्रांसलेट, त्वरित अनुवाद तो प्रदान करते हैं, पर क्या वे किसी कविता की लय, साहित्य की गहराई, या लोककथा की आत्मा को पकड़ सकते हैं? नहीं। मशीनें शब्द बदल सकती हैं, लेकिन संस्कृति की बारीकियां, भावनाओं का प्रवाह, और मानवीय संवेदनाएं केवल एक मानव अनुवादक ही समझ सकता है। उदाहरण के लिए, तमिल कवि तिरुवल्लुवर के ÷तिरुक्कुरल÷ का अनुवाद करते समय, अनुवादक को भाषा के साथ-साथ तमिल दर्शन, नैतिकता और सांस्कृतिक गहराई को भी आत्मसात करना पड़ता है। यहीं मानव अनुवादक की अपरिहार्य भूमिका उभरती है। अनुवाद केवल साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि यह विज्ञान, चिकित्सा, कानून और राजनीति जैसे क्षेत्रों में भी आधारशिला है। कोविड-19 महामारी के दौरान, विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाह को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित कर अनुवादकों ने लाखों लोगों तक जीवनरक्षक जानकारी पहुंचाई। अंतरराष्ट्रीय समझौते, व्यापारिक अनुबंध, और वैज्ञानिक शोध पत्रों का अनुवाद वैश्विक सहयोग को सशक्त बनाता है। अनुवादक इन क्षेत्रों में एक अदृश्य, परन्तु अपरिहार्य शक्ति की तरह कार्य करते हैं, जो दुनिया को एकजुट रखते हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस हमें याद दिलाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक पहचान, एक संस्कृति और एक दृष्टिकोण है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां हैं, अनुवाद एकता का प्रतीक बन जाता है। जब एक बंगाली कहानी तेलुगु में, या एक मलयालम कविता पंजाबी में अनुवादित होती है, तो यह केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि संस्कृतियों का हृदयस्पर्शी संवाद है। यह विविधता को न केवल समझने, बल्कि उसका उत्सव मनाने की प्रेरणा देता है। फिर भी, अनुवादकों को वह सम्मान अक्सर नहीं मिलता, जिसके वे सच्चे हकदार हैं। वे पर्दे के पीछे कार्य करते हैं, और उनके योगदान को प्रायः अनदेखा कर दिया जाता है। कितनी बार हम किसी अनुवादित पुस्तक को पढ़ते समय अनुवादक का नाम याद रखते हैं? अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस हमें इस ओर ध्यान देने को प्रेरित करता है। यह हमें हर अनुवादित पंक्ति के पीछे छिपी मेहनत, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को पहचानने का आह्वान करता है। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि भाषा को समझना, एक-दूसरे को समझने का मार्ग है। जब हम किसी दूसरी भाषा के विचारों को पढ़ते हैं, तो हम उस भाषा से जुड़े लोगों, उनकी संस्कृति और उनके दृष्टिकोण को भी आत्मसात करते हैं। यह हमें अधिक सहानुभूतिपूर्ण, अधिक समावेशी और सच्चे अर्थों में वैश्विक बनाता है। अनुवाद केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक मानवीय सेतु है, जो हमें एक-दूसरे के करीब लाता है। हर भाषा एक खिड़की है, जो हमें एक नई दुनिया से रूबरू कराती है, और अनुवादक वे कारीगर हैं, जो इन खिड़कियों को खोलते हैं। इस 30 सितंबर को, अनुवाद की इस कला का उत्सव मनाएं। हर उस अनुवादक को धन्यवाद दें, जो अपनी मेहनत से हमारी दुनिया को और अधिक रंगीन, समृद्ध और एकजुट बनाता है। अनुवादक न केवल शब्दों को, बल्कि दिलों को जोड़ते हैं–और यही उनकी सबसे बड़ी विजय है।

प्रो. आरके जैन

आपदाएँ संयोग नहीं, धरती का संकेत हैं

धरती का मौन विद्रोह-प्रकृति की अंतिम चेतावनी

धरती की चुप्पी कभी साधारण नहीं होती। उसका मौन एक गहरी, अनकही कथा है, जो पेड़ों की पत्तियों, नदियों की लहरों और हवा के झोंकों में बसी है। लेकिन हम इंसानों ने इस खामोशी को कमजोरी समझा। हमने सोचा कि यह नीला-हरा ग्रह हमारी हर भूल, हर लालच और हर अनियंत्रित इच्छा को चुपचाप सह लेगा। हमने जंगलों को काट डाला, नदियों को बाँधों में जकड़ा और हवा को ज़हर से भर दिया, यह मानकर कि धरती की सहनशीलता असीम है। मगर अब वह चुप्पी टूट चुकी है। धरती का मौन अब विद्रोह बन गया है। बाढ़ की उफनती लहरें, तूफानों की गर्जना और सूखे की चटकती ज़मीन–ये उसकी चेतावनी की पुकार हैं। यह क्रोध नहीं, बल्कि आत्मरक्षा का आह्वान है। जलवायु परिवर्तन को हम अक्सर ठंडे आँकड़ों और जटिल ग्राफों में देखते हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है, समुद्र का स्तर हर साल मिलीमीटरों में ऊपर उठ रहा है, और कार्बन उत्सर्जन रिकॉर्ड तोड़ रहा है। लेकिन ये आँकड़े सतह को ही छूते हैं। इनके पीछे एक जीवंत ग्रह की साँसें हैं, जो अब रुक-रुक कर चल रही हैं। धरती कोई निर्जीव पत्थर नहीं; यह एक जीवित सत्ता है, जो हमारे हर प्रहार का जवाब दे रही है। हम उसके जंगलों को जलाते हैं, तो वह धुएँ भरे आकाश और भीषण गर्मी की लहरों से जवाब देती है। हम उसकी नदियों को गंदा करते हैं, तो वह बाढ़ और सूखे के दोहरे वार से अपनी पीड़ा व्यक्त करती है। यह उसका मौन विद्रोह है–शक्तिशाली, जो हमारी सभ्यता की नींव हिला सकता है। हमारी सबसे बड़ी भूल यह थी कि हमने धरती को महज संसाधन माना। हमने सोचा कि उसकी मिट्टी, पानी और हवा सिर्फ हमारे उपयोग के लिए हैं। हमने शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाया, नदियों को बाँधों में कैद किया और जंगलों को कारखानों की भेंट चढ़ा दिया। परिणाम सामने है। भारत में, 2025 तक, हिमालय की बर्फ तेज़ी से पिघल रही है, जिससे गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों में अनियमितता बढ़ रही है। बिहार और असम में बाढ़ का कहर हर साल गहराता जा रहा है, तो राजस्थान और मराठवाड़ा सूखे की मार झेल रहे हैं। विश्व स्तर पर, अमेज़न के वर्षावन, जो कभी धरती के फेफड़े थे, अब आग की लपटों में सुलग रहे हैं। आर्कटिक की बर्फ, जो ग्रह के तापमान को संतुलित करती थी, तेज़ी से गायब हो रही है। ये सिर्फ "प्राकृतिक आपदाएँ" नहीं; ये धरती की वह चीख हैं, जिसे हमने अनसुना करने की भूल की। धरती का विद्रोह अब हर महाद्वीप पर गूँज रहा है। 2025 में, यूरोप की भीषण गर्मी की लहरों ने हजारों जिंदगियाँ छीनीं, दक्षिण एशिया में चक्रवातों ने तटीय इलाकों को तबाह किया, अफ्रीका में सूखा लाखों लोगों को भुखमरी के कगार पर ले आया, और ऑस्ट्रेलिया में जंगल की आग अब हर साल की कहानी बन चुकी है। ये घटनाएँ अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हैं, और इनका मूल हमारी वह जीवनशैली है, जो प्रकृति का शोषण करती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताज़ा रिपोर्ट चेताती है कि यदि उत्सर्जन का यही स्तर रहा, तो 2030 तक वैश्विक तापमान 2 डिग्री सेल्सियस की सीमा लाँघ जाएगा। समुद्र का स्तर 1 मीटर तक बढ़ेगा, और चरम मौसमी घटनाएँ रोज़मर्रा की हकीकत बन जाएँगी। यह आँकड़ा नहीं, धरती की हताश पुकार है, जो हमें अपनी भूल सुधारने का आखिरी मौका दे रही है। लेकिन दुखद यह है कि हम इन चेतावनियों को गंभीरता से नहीं ले रहे। बाढ़ आती है, तो हम राहत सामग्री भेजते हैं; तूफान आता है, तो पुनर्निर्माण की योजनाएँ बनाते हैं। मगर हम भूल जाते हैं कि ये आपदाएँ अस्थायी संकट नहीं, बल्कि धरती का दीर्घकालिक संदेश हैं। हमारी सभ्यता ने प्रकृति को सिर्फ़ "संसाधन" मानकर उससे दूरी बना ली। हमने विकास को केवल आर्थिक तरक्की और तकनीकी उन्नति से मापा, यह भूलकर कि इसकी कीमत धरती चुका रही है। भारत में, 70% से ज़्यादा मिट्टी अपनी उर्वरता खो चुकी है, और 30% से अधिक भूमि बंजर होने की कगार पर है। यह आँकड़े नहीं, उस धरती की चीख हैं, जिसे हमने लालच की भेंट चढ़ाया। धरती को शांत करने के लिए तकनीकी उपाय काफी नहीं; हमें सोच में क्रांति लानी होगी। इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा, और कार्बन टैक्स ज़रूरी हैं, पर अधूरे। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि हम प्रकृति के हिस्सा हैं, उसके मालिक नहीं, यह विद्रोह रुकेगा नहीं। जंगलों को सिर्फ़ ÷कार्बन सिंक÷ नहीं, जीवन का आधार मानना होगा। नदियाँ केवल जलस्रोत नहीं, जीवन की धारा हैं। हमें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी–प्लास्टिक कम करना, पानी की बर्बादी रोकना, और स्थानीय संसाधनों का सम्मान करना होगा। यह धरती की पुकार को सुनने और उसका जवाब देने का वक्त है। धरती बदला नहीं ले रही; वह केवल संतुलन की कोशिश में है। लेकिन इस संतुलन की कीमत भारी है। हमारे शहर बाढ़ में डूब रहे हैं, फसलें बर्बाद हो रही हैं, और हवा दमघोंटू बन चुकी है। यह भविष्य की आशंका नहीं, आज की सच्चाई है। भारत में, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में वायु प्रदूषण रोज़मर्रा की बात हो गई है, और ग्रामीण इलाकों में सूखे ने किसानों को आत्महत्या की कगार पर ला खड़ा किया है। यह सिर्फ़ भारत की कहानी नहीं–यह पूरी मानवता का दर्द है। सवाल अब यह नहीं कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम धरती की इस विद्रोही पुकार को सुनने को तैयार हैं? क्या हम अपनी सुविधाएँ और लालच त्यागकर टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं? बाढ़ में डूबते गाँव, सूखे में चटकी मिट्टी, और तूफानों की गर्जना हमें बार-बार याद दिला रही है कि हम इस ग्रह के मालिक नहीं, मेहमान हैं। धरती का यह मौन विद्रोह हमें झकझोर रहा है, हमें जगा रहा है। अब वक्त है कि हम धरती को एक जीवित सत्ता के रूप में देखें और उसका सम्मान करें। पेड़ लगाना सिर्फ़ अभियान नहीं, हमारी संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। पानी की बचत संकट की घड़ी की मजबूरी नहीं, रोज़ की आदत होनी चाहिए। ऊर्जा की खपत कम करना सिर्फ़ बिल बचाने का तरीका नहीं, बल्कि धरती के प्रति हमारा कर्तव्य है। धरती ने हमें बार-बार सहा, लेकिन अब उसकी चुप्पी टूट चुकी है। यह मौन विद्रोह तभी थमेगा, जब हम अपनी सोच और व्यवहार बदलेंगे। यह ग्रह हमें जीवन देता है, और अब हमारी ज़िम्मेदारी है कि उसकी पुकार सुनें। अगर हम ऐसा नहीं करते, तो एक दिन यह धरती हमें अपने आश्रय से बेदखल कर देगी। तब हमारी सारी प्रगति, तकनीक, और संपत्ति बेकार हो जाएगी। क्योंकि बिना धरती के, हमारा कोई वजूद नहीं।

प्रो. आरके जैन

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

श्री दानेश्वर धाम नवदुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान मे श्री रामलीला का किया जा रहा आयोजन

महराजगंज/रायबरेली। श्री दानेश्वर धाम मंदिर प्रांगण में विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी श्री दानेश्वर धाम नवदुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान मे श्री रामलीला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अयोध्या धाम व कानपुर की धरती से आए हुए सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मंचन किया जा रहा है जिसमें अनेक प्रकार रामलीला। के पाठ का आयोजन प्रतिदिन होता है जिसको देखने के लिए महाराजगंज कस्बा सहित क्षेत्र के श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ता है जिसके चलते आज की राम लीला मे भरत मिलाप लीला, जयंत लीला, सुतीक्ष्ण लीला का मंचन किया जाएगा जिसमें भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहते है

चोरी से पेड़ काटने का आरोप, पुलिस से शिकायत

महराजगंज/ रायबरेली। तहसील क्षेत्र के शिवगढ़ थाना के गुमावा चौकी अंतर्गत बेखौफ चोरों को अब नहीं रहा पुलिस का डर।लकड़ी चोरी व अन्य चोरियों को बेखौफ होकर घटना को अंजाम दे रहे हैं चोर। पुलिस बनी मूकदर्शक। बताते चलें कि शिवगढ़ थाना क्षेत्र के पूरे मान मजरे अछई गांव की निवासिनी कान्ति देवी पत्नी स्वर्गीय राम उजागर ने स्थानीय पुलिस चौकी गुमावा में शिकायती पत्र देते हुए गांव निवासी राम प्रताप पुत्र रामदास पर आरोप लगाया कि ब्रज नंदन पुत्र शिवदास के कहने पर मेरी पुश्तैनी भूमि जो राजस्व अभिलेखों में दर्ज कागजात है। उक्त भूमि पर लगे कीमती वृक्षोंको चोरी से बिना हमारी सहमति के काट कर उठा ले गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों को जब मना किया तो आरोपी अपने चाचा बुधराम के साथ मिलकर मुझे गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दिया है। पीड़िता कांति ने बताया कि स्थानीय चौकी पुलिस ने मौके पर जाकर जांच करना भी उचित नहीं समझा है। पीड़ित कांति ने पुलिस अधीक्षक रायबरेली व मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर कार्यवाही की मांग किया है।

सप्तमी पर विद्यालय में हुआ कन्या पूजन

माल, माल क्षेत्र के लतीफपुर गांव स्थित श्री महेश सिंह सरस्वती इंटर कॉलेज एवं एपीएस पब्लिक स्कूल में सप्तमी के दिन ग्यारह सौ कन्याओं का कन्या पूजन कर भोज आयोजित हुआ। आपको बता दें कि,सोमवार को विद्यालय संचालक धर्मपाल सिंह ने विद्यालय की छात्राओं का पांव पखार कर टीका लगाने के बाद उनको भोजन और फल खिलाकर दक्षिणा दी। और विद्यालय के अध्यापकों ने कन्याओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय की तरफ हर नवरात्र पर सप्तमी के दिन विद्यालय में कन्या पूजन का आयोजन करते हैं। अन्य नवरात्र की भांति इस नवरात्र सप्तमी पर भी विद्यालय सोमवार को कन्या पूजन का आयोजन किया गया ।कन्या पूजन के इस अवसर पर विद्यालय के संचालक धर्मपाल सिंह ने कन्याओं का रोली टीका लगाकर कन्या पूजन का आरंभ किया और बालिकाओ को प्रसाद वितरण भी किया गया।

दुर्गा पूजा समिति कर रही है कई कार्यक्रम

मथुरा। दुर्गा पूजा समिति लाल दरवाजा द्वारा विगत 34 वर्षो से लगातार दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी दुर्गा पूजा का कार्यक्रम केदार धाम रिसॉर्ट में बड़े हर्ष उल्लास के साथ किया जा रहा है। जिसमें सप्तमी को सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जिसमें ध्रुव शर्मा और स्वर्ण श्री भजन गायक तथा अष्टमी वाले दिन शालिनी शर्मा इवेंट एवं नवमी को सांस्कृतिक तथा रंगारंग कार्यक्रम रहेंगे। दोपहर के समय भोग व्यवस्था प्रसादी की व्यवस्था रहती है। इस वर्ष अध्यक्ष बृज गोपाल साहा को बनाया गया है। महासचिव कन्हैया दास ने बताया कि विजयदशमी वाले दिन विसर्जन शोभा यात्रा चौक बाजार होते हुए भरतपुर गेट से गोकुल बैराज को प्रस्थान करेगी।

सूचना

मै शाबिर पुत्र बेचा अली नि0 बलवंतपुर मजरा बेहड़ा बैकुण्ठपुर पर पीरनगर थाना कमलापुर तहसील सिधौली जिला सीतापुर का हूं अपने पुत्र जावेद के गलत आचरण और रोज होने वाले झगडों से काफी परेशान थे। जावेद का चाल-चलन ठीक न होने और मारपीट की आदत के चलते शातिर ने सार्वजनिक रूप से घोषणा करके बेटे को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब अपने पुत्र के किसी भी कृत्य के उत्तरदायी नहीं होंगे।

शाबिर
बलवंतपुर मजरा बेहड़ा बैकुण्ठपुर पर पीरनगर
थाना कमलापुर
तहसील सिधौली जिला सीतापुर

युवक ने यातायात नियमों की उड़ाई धज्जियां, कार की छत पर बैठकर युवक ने की स्टंटबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
वसीम बेग जिला ब्यूरो

सीतापुर जनपद सीतापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक ने यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सड़क पर खतरनाक स्टंट किया मामला तब चर्चा में आया जब युवक का 22 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि एक युवक कार की छत पर बैठकर स्टंटबाजी कर रहा है। कार को नेशनल हाइवे-30 से सर्विस लाइन पर दौड़ाया गया जबकि चालक ने गति बढ़ाकर सड़क पर खतरा पैदा कर दिया इस दौरान पीछे चल रही एक अन्य कार में बैठे युवक ने पूरे वाकये का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया वीडियो तेजी से वायरल होते ही लोगों में खलबली मच गई सड़क पर इस तरह की हरकत देख राहगीर और स्थानीय लोग हैरत में पड़ गए कई लोगों ने इसे खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी बताते हुए कार्रवाई की मांग की सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए सीतापुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता और स्थान की पुष्टि कर संबंधित वाहन स्वामी और चालक की पहचान की जा रही है दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी यातायात विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की खतरनाक हरकतें न केवल स्टंटबाज की जान के लिए खतरा हैं बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी

गंभीर जोखिम पैदा करती हैं वहीं, पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे ऐसे खतरनाक स्टंट की नकल न करें और न ही उन्हें बढ़ावा दें सीतापुर पुलिस ने साफ किया है कि यातायात नियमों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी शहर में सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए निगरानी और कड़ी की जाएगी!!

प्यार ने तोड़ी सभी बंदीसे,मंदिर में रचाई शादी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आतिशबाजी से गूंजा बाजार

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे की घोसियाना मोहल्ला निवासी युवती और साकेत नगर निवासी युवक कुशाग्र बाजपेयी का तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक कस्बे की एक मोबाइल शॉप में काम करता है, जबकि युवती एक क्लीनिक में रिसेप्शनिस्ट थी। 24 सितंबर को युवती घर से निकल गई, जिस पर परिजनों ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने खोजबीन कर दोनों को बरामद किया। कोतवाली में परिजनों ने युवती को काफी समझाया, लेकिन उसने युवक के साथ रहने का ही फैसला किया। मामला दो धर्मों से जुड़ा होने के कारण हिंदू संगठनों के लोग भी सामने आए। आखिरकार कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर में आचार्य दुर्गा शंकर और मयंक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दोनों का विवाह कराया। वर-वधू ने सात फेरे

लेकर एक-दूसरे के साथ जीवनभर निभाने की शपथ ली। शादी के दौरान युवक के दोस्तों ने लड़की के भाई और जेठ की भूमिका निभाई और आतिशबाजी कर खुशियां मनाई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों बालिग हैं और अपने फैसले से साथ रह रहे हैं। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय नेता रामगोपाल त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष अजय बाबू पांडे, संघ कार्यकर्ता पवन सिंह, एडवोकेट पंकज पांडेय, विवेक गुप्ता, प्रदीप समेत कई लोग मौजूद रहे।

बंथरा में क्लीनिक और रेस्टोरेंट का पूर्व केंद्रीय मंत्री ने किया उदघाटन

लखनऊ। विधानसभा क्षेत्र सरोजिनी नगर के कटी बगिया के निवासी साथी कौशल कुमार के भाई डॉ विक्रम रावत के आरआर डेंटल और मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर तेजी रामबाबू, राजेश सिंह चौहान, शंकरी सिंह, राजेश सिंह, वीरेंद्र ज्वेलर्स, जी नरपत सुमन, रामखेलावनपुर प्रधान, सुबोध रावत एवं वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। वहीं नगर पंचायत बंथरा में डॉक्टर ओमप्रकाश रावत के जेएमएस फैमिली रेस्टोरेंट का भी पूर्व मंत्री ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रंजीत रावत, तेजी रामबाबू, वीरेंद्र ज्वेलर्स, राहुल रावत, राहुल तिवारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तेज़ रफ़्तार डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

● मोहनलालगंज के रतौली तिराहे पर हुआ हादसा, मृतक की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे परिवार को मातम में डुबो दिया। तेज रफ़्तार से आ रहे डंपर ने बाइक सवार को इतनी जोरदार टक्कर मार दी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। मृतक की पत्नी ने अज्ञात चालक और वाहन के खिलाफ तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनपद उन्नाव के महारामऊ निवासी सरस्वती देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने परिवार के साथ लखनऊ के कृष्णापल्ली इलाके में किराए पर रहती हैं। 26 सितम्बर की सुबह लगभग 7:30 बजे उनके पति रमेश कुमार अपनी मोटरसाइकिल (UP 32 KC 1790) से लखनऊ से रायबरेली के खाण्डेपुर स्थित मायके की ओर जा रहे थे। तभी बिजनौर रोड, रतौली तिराहा, भागुखेड़ा के पास पीछे से तेज रफ़्तार डंपर (UP 32 XN 4450) ने उन्हें टक्कर मार दी। इस टक्कर में रमेश कुमार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात चालक व डंपर गाड़ी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है और वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की कठवारा शाखा के नवीन परिसर का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
संवाददाता हरिओम दीक्षित

बख्शी का तालाब। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की कठवारा शाखा के नवीन परिसर का उद्घाटन महा शाखा प्रबंधन उत्तम कुमार मिश्रा ने किया। इस मौके पर चार ग्राहकों को उन्होंने कृषि लोन का स्वीकृति पत्र सौंपा है। दीनदयाल राज्य ग्राम्य विकास संस्थान उप निदेशक एस के सिंह ने शाखा में पूरे स्टाफ की तैनाती और ग्राहकों को नई योजनाओं से परिचित कराया जाए।

क्षेत्रीय महाप्रबंधक आशुतोष चौबे व सीनियर मैनेजर प्रतीक श्रीवास्तव ने ग्राहकों को आगाह किया कि,साइबर क्राइम से होशियार रहें। आज का समय नेट बैंकिंग का है इसलिए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करने के दौरान बेहद सावधानी बरतें। शाखा प्रबंधक कठवारा अभिनव मिश्रा और सहायक प्रबंधक भानु प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित लगभग डेढ़ सौ ग्रामीणों और शाखा के ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं के बारे जानकारी दिया। कैशियर श्रेया गुप्ता, तृप्ति वर्मा, आशीष सिंह, के साथ, अर्जुन

सिंह,नंद किशोर शर्मा,यशपाल सिंह,प्रधान प्रतिनिधि कठवारा उदयभान सिंह, सचिन सिंह,राम कृपाल सिंह,महेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या ग्रामीण इकट्ठा हुए।

जेल में कैदी की हुई मौत परिजनों ने लगाया पिटाई का आरोप, जेल प्रशासन ने बताई सांस की बीमारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
वसीम बेग जिला ब्यूरो

सीतापुर जनपद सीतापुर जिला कारागार में बंद एक कैदी की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया मृतक की पहचान उमेश पुत्र विजय निवासी भेलावा थाना तालगांव के रूप में हुई है जानकारी के अनुसार, उमेश को पुलिस ने 27 सितंबर की शाम जेल में दाखिल कराया था उस पर गांव की एक युवती ने यौन शोषण का मामला दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध थे लेकिन शादी से इंकार करने पर युवती ने मुकदमा दर्ज कराया था इसी आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था जेल अधीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि उमेश ने जेल में दाखिल होने के कुछ ही घंटे बाद सांस लेने में परेशानी और गले में छाले होने की शिकायत की थी डॉक्टरों ने तत्काल उसे प्राथमिक उपचार दिया देर रात हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन अस्पताल में रोते बिलखते हुए नहर आए हालांकि मृतक के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उमेश की मौत पुलिस की पिटाई से हुई है उनका कहना है कि गिरफ्तारी के बाद से ही उसे शारीरिक यातना दी गई थी परिजनों का आरोप है कि जेल से रात करीब दो बजे उमेश को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया जिससे संदेह और गहरा हो गया है। इस बीच प्रभारी निरीक्षक तालगांव दीपक राय ने परिजनों के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया उन्होंने कहा कि उमेश की मौत पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ हो सकती है पुलिस की पिटाई का आरोप पूरी तरह

निराधार है घटना की जानकारी मिलते ही जेल और पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा कैदी की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया परिजनों और ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है फिलहाल पुलिस प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है!!

इनामी अपराधी का मिला शव इलाके में मचा हड़कंप पैर के नाखून गायब शरीर पर गंभीर चोटों के निशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर गुडंबा लूटकांड का आरोपी संजय यादव की सीतापुर में हत्या करके लाश फेंक दी गई उसकी लाश सोमवार सुबह सिधौली कोतवाली क्षेत्र में नीलगांव में सड़क किनारे झाड़ियों में मिली उसके शरीर और गर्दन पर गंभीर चोट के निशान थे उसके पैरों के सभी नाखून घिस जाने से गायब थे जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि हत्या कहीं और करके शव को बाइक से लाकर यहां फेंका गया है। शव से मुंह और नाक पर झाग निकल रहा था पुलिस के मुताबिक संजय यादव पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था संजय यादव लखनऊ जनपद के बख्शी तालाब का रहने वाला था वह कुख्यात आरोपी था सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच की एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह ने बताया कि शव के पास से एक बाइक बरामद की गई है। जिसके आधार पर युवक की शिनाख्त हो सकी शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी पुलिस सूत्रों के मुताबिक संजय यादव पर एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। वह कई गंभीर वारदातों में वांछित चल रहा था इनामी अपराधी का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि संजय यादव की हत्या किन परिस्थितियों में की गई घटना की सूचना

मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए चर्चाओं का बाजार गर्म है कि अपराध जगत में वर्चस्व की लड़ाई के चलते उसकी हत्या की गई होगी पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा!!

सेवा पर्व के तहत चला स्वच्छता अभियान

माल, संवाददाता माल क्षेत्र के ग्राम पंचायत मवई में स्थित घटघटा बाबा मंदिर प्रांगण में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व वन विभाग के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। मिली जानकारी मुताबिक,सोमवार को क्षेत्र के मवई में स्थित ऐतिहासिक मंदिर घटघटा बाबा मंदिर प्रांगण में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पर्व को ब्लॉक प्रमुख प्रति रामकुमार क्षेत्रीय वनाधिकारी आलोक तिवारी ने डिप्टी रेंजर देवेश,वन दरोगा शकर सिंह,जय राम आर्य,वन रक्षक दिलीप चौहान जय राम यादव के साथ स्वच्छता के रूप में मनाया। रेंजर आलोक तिवारी ने कहा कि सेवा पर्व का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। पौधारोपण तभी सफल होगा जब हम उनकी देखभाल भी करेंगे। इस अवसर पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि अपने आसपास स्वच्छता और हरियाली बनाए रखें।

योगी का महिला मिशन शक्ति अभियान प्रभावी बालिकाएं आगे बढ़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/ रायबरेली/उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु चलाए जा रहे हैं मिशन शक्ति अभियान के तहत आज क्षेत्र के एक कंपोजिट विद्यालय के छात्राओं में स्थानीय कोतवाली का निरीक्षण कर कामकाज व कानून व्यवस्था की जानकारी ली आपको बता दें की

महिला सशक्तिकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान 'मिशन शक्ति' फेज 5 के तहत, महराजगंज में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। कंपोजिट विद्यालय मोन के मीना मंच की छात्राओं को स्थानीय थाना कोतवाली महराजगंज का भ्रमण कराया गया। जहाँ उन्होंने पुलिस के कामकाज और कानून व्यवस्था की बारीकियों को करीब से समझा।

स्थानीय थाना विजिट के दौरान छात्राओं को महिला हेल्प डेस्क अधिकारी शगुन शर्मा द्वारा छात्राओं को महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें पुलिसिंग की कार्यप्रणाली के मुख्य पहलुओं से परिचित कराया। थाना प्रभारी जगदीश यादव ने छात्राओं को पुलिस की विभिन्न हेल्पलाइन

नंबरों (जैसे 1090, 112) की जानकारी ली गई और बताया गया कि आपात स्थिति में इनका उपयोग कैसे करना है। प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई कि किसी घटना की सूचना देने और प्राथमिकी कैसे दर्ज कराई जाती है।

थाना परिसर में मौजूद महिला कांस्टेबल आकांक्षा सिंह, गीता सिंह, प्राची हेडमुर्रिर रविकांत पाण्डेय समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को थाने के विभिन्न हिस्सों मालखाना, कैदियों की बैरक का भी विजिट कराया गया, जिससे उन्हें पुलिस स्टेशन के आंतरिक प्रबंधन की जानकारी मिली। खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव ने कहा 'मिशन शक्ति के तहत इस तरह के आयोजन महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने और समाज में एक सुरक्षित माहौल तैयार करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

एक माह से दहशत मचा रहे तेंदुए को वन विभाग ने किया पिंजरे में कैद, गौशाला के पास लगाए पिंजरे में फंसा, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के गोंदलामऊ विकासखंड के ग्राम वैशैली में एक माह से दहशत मचा रहे तेंदुए को आखिरकार रविवार देर रात वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद कर लिया डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह वही तेंदुआ है जिसने पिछले एक महीने से ग्रामीणों की नींद हराम कर रखी थी ग्रामीणों ने बताया कि काफी समय से गांव के समीप स्थित गौशाला में तेंदुआ बार-बार घुसकर गौवंशों को अपना शिकार बना रहा था इस दौरान कई मवेशियों की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए की तस्वीरें कैद होने के बाद वन विभाग ने गौशाला के निकट पिंजरा लगाया रविवार देर रात तेंदुआ शिकार की तलाश में आया और उसी दौरान पिंजरे में कैद हो गया तेंदुए की चीख सुनकर सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए लोगों ने राहत की सांस लेते हुए वन विभाग की टीम का आभार जताया। ग्रामीणों का कहना था कि पिछले दिनों तेंदुए के डर से लोग घरों से बाहर निकलने से कतराते थे और बच्चों को स्कूल तक भेजने में संकोच कर रहे थे डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि तेंदुए को सुरक्षित पकड़ लिया गया है। वन विभाग की टीम उसे आवश्यक परीक्षण के बाद उचित स्थान पर छोड़ेगी उन्होंने कहा कि टीम लगातार गांवों में निगरानी कर रही है ताकि वन्यजीव इंसानी बस्तियों में न घुस

पाएं घटना स्थल पर जुटे ग्रामीणों में उत्सुकता का माहौल था लोग तेंदुए को पिंजरे में कैद देखकर वीडियो और फोटो खींचते नजर आए फिलहाल गांव में दहशत का माहौल खत्म हो गया है और लोगों ने चैन की सांस ली है!!

राम लीला में सीता हरण का हुआ मंचन

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के पयोहारी आश्रम उसका राजा पर सोमवार को रामलीला में सूर्पणखा का राम लक्ष्मण से वार्तालाप के दौरान लक्ष्मण ने उसका नाक ,कान काट दिया। इससे आहत होकर रावण दरबार में सूर्पणखा विलाप करती हुई पहुंचती। रावण ने उसकी दशा देखकर पूछा कि तेरे नाक कान किसने काटे। सूर्पणखा ने कहा कि राम लक्ष्मण दशरथ के पुत्र हैं। राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने मेरे नाक कान काटे हैं। उन्होंने खर, दूषण का भी वध कर दिया है। रावण सोचता है कि खर, दूषण को मारने वाला कोई साधारण मनुष्य नहीं हो सकता। निश्चित ही कोई अवतार है। रावण मारीच के पास जाता है और राम से बदला लेने के लिए कपट मृग बनने को कहता है। मारीच सोने का मृग बनकर पंचवटी से निकलता है तो सीता राम से उस स्वर्ण मृग की खाल लाने को कहती हैं। राम उसके पीछे जाते हैं और उस स्वर्ण मृग को एक बाण से मार देते हैं। मारीच मरते समय हे लक्ष्मण, हे लक्ष्मण की आवाज करता है। सीता ने राम को संकट में जानकर लक्ष्मण को उनकी सहायता में भेजती हैं। मौका देखकर लंकेश साधु का वेश धरकर सीता का हरण कर लेता है और रथ में बैठा कर आकाश मार्ग से जाता है।

मिशन शक्ति फेस 5 के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन हुआ!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ थाना अमीनाबाद में मिशन शक्ति फेस 5 के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में व्यापार मंडल और पुलिस विभाग ने मिलकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम किया। मिशन शक्ति जागरूकता रैली की मुख्य बातें महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण रैली का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी*- महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें मिशन शक्ति केंद्र, पिंक बूथ, पिंक मोबाइल और एंटी रोमियो टीम शामिल हैं। पंपलेट वितरण बाजार में दुकानों पर कार्य कर रही महिलाओं को पंपलेट वितरित किए गए और मिशन शक्ति के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। सुरक्षा का संदेश महिलाओं को यह संदेश दिया गया कि

वे अपने कार्य क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पुलिस के संरक्षण में पूर्णतया सुरक्षित हैं और अपने साथ हो रहे अपराधों के प्रति विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों पर शिकायत कर सकती हैं। मिशन शक्ति फेस 5 की विशेषताएं महिला सशक्तिकरण मिशन शक्ति फेस 5 का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। जागरूकता रैली रैली के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सरकारी पहल मिशन शक्ति फेस 5 उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

मोहनलालगंज में रामलीला का भव्य मंचन, रावण-बाणासुर संवाद और केवट प्रसंग ने बांधा समां

● ......श्री बंशी बाबा परिसर में 56वें वर्ष धूमधाम से हो रहा आयोजन, 2 अक्टूबर को होगा रावण दहन और भव्य आतिशबाजी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। धार्मिक आस्था और संस्कृति से ओतप्रोत रामलीला का भव्य मंचन इस वर्ष भी मोहनलालगंज स्थित श्री बंशी बाबा परिसर में भक्तिरस की सरिता बहा रहा है। 27 सितम्बर से प्रारम्भ हुई इस रामलीला में प्रतिदिन पौराणिक प्रसंगों का जीवंत मंचन हो रहा है। कार्यक्रम का समापन 2 अक्टूबर को दशहरा मेले और भगवान श्रीराम की राजगद्दी के साथ किया जाएगा। रामलीला का यह आयोजन अपने 56वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, जो इसकी गरिमा और परंपरा को और भी गौरवशाली बना रहा है। आयोजन के पहले दिन नारद मोह, रामजन्म और अन्य प्रसंगों का मंचन हुआ। दूसरे दिन ताड़का वध, रावण-बाणासुर संवाद, परशुराम-लक्ष्मण संवाद और राम विवाह जैसे दृश्यों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं सोमवार को प्रबंधक अरविंद कुमार मिश्रा 'काका जी' व उनकी धर्मपत्नी ने भगवान श्रीराम व बंशी बाबा जी की पूजा-अर्चना कर रामलीला के तीसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राम का राज्याभिषेक, रामगमन और विशेषकर 'केवट संवाद' का मंचन किया गया, जिसे देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। यह प्रसंग मानवीय संवेदनाओं, भक्ति और भगवान के प्रति अटूट प्रेम का सजीव उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसने दर्शकों के हृदय को गहराई तक छू लिया।

समिति के डायरेक्टर रंजीत यादव 'गुड्डू' एवं उनके सहयोगी सतीश अवस्थी और अतुल तिवारी ने रामलीला के मंचन को बेहद आकर्षक और कुशलतापूर्वक प्रस्तुत किया, जिसकी सभी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। आयोजन में अरुणेश प्रताप सिंह

'दल्लू', आशीष द्विवेदी, उप प्रबंधक इंद्र बहादुर सिंह, राजेंद्र शुक्ला समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और श्रद्धालु उपस्थित रहे। समिति के प्रबंधक अरविंद कुमार मिश्रा ने बताया कि 2 अक्टूबर को दशहरा मेले के दौरान मेघनाथ वध, कुंभकरण वध और रावण वध का मंचन किया जाएगा। इसके उपरांत रावण के पुतले का दहन और भव्य आतिशबाजी का आयोजन होगा, जो दशहरा मेले की शोभा को और भी दिव्य बना देगा। इस अवसर पर समूचा परिसर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठेगा और भक्तजन प्रभु श्रीराम की लीलाओं का साक्षात दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस करेंगे।

संकीर्तन से ही मन की शुद्धि और जीवन की सार्थकता- निखिलानंद

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के तेजगाँव स्थित उत्सव लान में चल रहे आध्यात्मिक प्रवचन में सोमवार को जगद्गुरु कृपालु जी महाराज के परम शिष्य निखिलानंद ने संकीर्तन और भजन की महिमा समझाई। उन्होंने कहा कि संकीर्तन चारों वेदों का सार है। गोविंद राधे, मन राधे, रूप मुख राधे, राधे गा दे... मंत्र के जरिये उन्होंने बताया कि भगवान के नाम का संकीर्तन सभी ग्रंथों का निचोड़ है। निखिलानंद ने कहा कि मनुष्य के अनगिनत जन्म हो चुके हैं। हर जन्म में जाने-अनजाने पाप होते रहे हैं। वर्तमान जीवन भी पूर्वजन्मों के कर्मों का ही परिणाम है। उन्होंने बताया कि भगवान पूर्णतः शुद्ध हैं।

जब कोई व्यक्ति अपने मन को ईश्वर में लगाता है तो उसका मन भी शुद्ध हो जाता है। उन्होंने कहा कि संकीर्तन ध्यान का सर्वोत्तम साधन है। जब इंसान प्रेम और श्रद्धा से भगवान का नाम जपता है तो उसका मन शांत होता है। उसके विचार सकारात्मक बनते हैं। इससे न केवल मानसिक शांति मिलती है, बल्कि जीवन में ऊर्जा और उत्साह भी बढ़ता है।निखिलानंद ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे प्रतिदिन भगवान का स्मरण और संकीर्तन करें। इससे आध्यात्मिक उन्नति होगी और जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह, अनूप सिंह, करन सिंह, संजय तिवारी, रणवीर सिंह सिसोदिया, प्रिंशू द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विद्यार्थी परिषद की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

डॉ गोपेश ठाकुर महानगर अध्यक्ष और सर्वेंद्र जसावत बने महानगर मंत्री

मथुरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मथुरा जिले का दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग श्रीकृष्ण चंद गांधी इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ जिसमें आगामी सत्र हेतु नवीन जिला, तहसील एवं महानगर कार्यकारिणी का गठन हुआ। अभाविप मथुरा महानगर की नवीन कार्यकारिणी में डॉ गोपेश ठाकुर महानगर अध्यक्ष और सर्वेंद्र जसावत महानगर मंत्री बने। डॉ जसवंत सिंह, जितेंद्र चौधरी, राकेश पचौरी उपाध्यक्ष, उमंग अग्रवाल, कपिल उपाध्याय, दीपक शर्मा, राजा सिसोदिया, अमन पांडे, तान्या बारोलिया सहमंत्री, तुषार कटारा सोशल मीडिया संयोजक एवं सुमित लालवानी मीडिया संयोजक, अतुल शर्मा एसएफडी संयोजक, शुभम पाल एसएफएस संयोजक, हिमांशु गौड़ खेलो भारत संयोजक, हिमांशी सक्सेना राष्ट्रीय कलामंच संयोजक, सक्षम तिवारी, महेश कुमार, सोनम त्रिपाठी, निशा सैनी और हीरोलाल वर्मा सदस्य बने। जिला कार्यकारिणी में अनंत चौधरी जिला एसएफडी संयोजक, अमित सारस्वत जिला एग्रोविजन संयोजक, निशांत ठाकुर जिला मीडिया संयोजक, विष्णु उपाध्याय जिला एसएफएस संयोजक, प्रेरणा शर्मा जिला राष्ट्रीय कलामंच संयोजक और राज पांडे जिला खेलो भारत संयोजक बने। शिवम भारद्वाज छाता तहसील, विष्णु उपाध्याय गोवर्धन तहसील, मयंक सोलंकी महावन तहसील, कुशपाल मथुरा-सदर तहसील और दीपक शर्मा मांट तहसील के तहसील संयोजक बने।

आलू के साथ भी कर दिया माफिया ने खेल

कोल्ड स्टोर से फुटकर फडों तक टोह लेने में जुटीं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें

मथुरा। सब्जियों का राजा भी माफिया की चपेट में आ गया है। पुराने आलू को नया बना कर दो गुनी कीमत में बेचने और करीब 20 रूपये किलो के हिसाब से अतिरिक्त लाभ कमाने के कई मामले प्रदेश में सामने आये हैं। प्रदेश भर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें सक्रिय हो गई हैं। कोल्ड स्टोर से लेकर फुटकर विक्रेताओं के फड़ों तक आलू की टोह ली जा रही है। टीमें यह सुनिश्चित करने में लगी है कि कहीं केमिकल से नए पुराने आलू को नया बना कर तो नहीं बेचा जा रहा है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने पूरे जिले में चैकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंडी के अलावा कोल्ड स्टोरेज का भी निरीक्षण किया। टीम ने प्रेम कोल्ड स्टोरेज सादाबाद रोड बलदेव,शीतल कोल्ड स्टोरेज मांट रोड नौहझील,हीरामणि कोल्ड स्टोरेज नौहझील, राकेश सेठ कोल्ड स्टोरेज नौहझील के अलावा श्री बलदेव जी कोल्ड स्टोरेज बलदेव में रखे आलू को चौक किया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया मथुरा में कहीं भी रंगीन आलू का न तो भंडार मिला और न ही कहीं बिकता मिला। जिसके तहत मथुरा में विभाग ने मंडी और कोल्ड स्टोरेज में छापा मारा और वहां रखे आलू को चौक किया। मथुरा में भी इस तरह का आलू तो नहीं बिक रहा इसकी जांच के लिए मंडी चौराहा स्थित नवीन फल एवं सब्जी मंडी पहुंच गई। टीम ने यहां अलग अलग सब्जी विक्रेताओं के यहां जाकर आलू का परीक्षण किया। टीम ने शहर में स्थित गोविंदगढ़ मंडी का भी निरीक्षण किया। टीम ने शहर के अलावा कोसी और गोवर्धन में सब्जी मंडी में भी निरीक्षण किया।

जनपद की सभी वक्फ सम्पत्तियों का विवरण MEED पोर्टल पर दर्ज कराना अनिवार्य

देवरिया, 29 सितम्बर। सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि सर्वे कमिश्नर वक्फ के तहत जनपद में स्थित सभी वक्फ सम्पत्तियों का विवरण यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट (UMEED) पोर्टल पर दर्ज कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जनपद के सभी मुतवल्ली अपनी-अपनी सम्पत्तियों से संबंधित अभिलेखों के साथ वक्फ बोर्ड द्वारा नामित नोडल मुतवल्लियों से संपर्क करें और समन्वय स्थापित करते हुए विवरण अपलोड कराने की कार्यवाही करें। जनपद के लिए मो0 राशिद मोबाइल नंबर- 6306456712 एवं मो0 जलालुद्दीन खान मोबाइल नंबर- 9670582263 को नोडल मुतवल्ली नामित किया गया है। श्री पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि सभी मुतवल्ली समय से यह कार्यवाही पूर्ण करें, ताकि जिले की समस्त वक्फ सम्पत्तियों का विवरण निर्धारित समयावधि में UMEED पोर्टल पर दर्ज हो सके।

सरकार ने जीएसटी से रखी आत्मनिर्भर भारत की नींवः हेमा मालिनी

● हेमा मालिनी ने कहा 'वन नेशन, वन टैक्स से बढ़ी आर्थिक गति'

2000 से 2014 तक अव्यवस्थित और व्यापार विरोधी रही कर व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी जिला एवं महानगर मथुरा द्वारा पुष्पांजलि स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद हेमा मालिनी, जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे तथा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने संयुक्त रूप से जीएसटी को लेकर विचार व्यक्त किए। सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि वर्ष 2000 से 2014 तक की पूर्ववर्ती सरकारों में कर व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित और व्यापार विरोधी रही। अलग अलग राज्यों में अलग अलग कर व्यवस्था होने से व्यापारी टैक्स पर टैक्स की मार झेलते रहे, जिससे उद्योग जगत हतोत्साहित हुआ और अर्थव्यवस्था ठहराव की ओर बढ़ी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में 'वन नेशन, वन टैक्स' यानी जीएसटी लागू किया। इसके लागू होने से न केवल व्यापार जगत को राहत मिली बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्राप्त हुई। सांसद ने कहा कि जीएसटी ने कर प्रणाली को पारदर्शी और ईमानदार बनाया है। अब हर व्यापारी को सुविधा है कि वह एक ही पोर्टल पर टैक्स जमा कर सके। ई वे बिल व्यवस्था से माल परिवहन सरल हुआ और राज्यों की सीमाओं पर लगने वाले अनावश्यक शुल्क समाप्त हो गए। हेमा मालिनी ने आगे कहा कि आज देश का हर राज्य इस व्यवस्था का लाभ उठा रहा है और राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

छोटे व्यापारियों को राहत देने के लिए कंपोज़िशन स्कीम जैसी योजनाएँ लाई गई, जिससे लघु उद्योग, दुकानदार और मध्यम वर्गीय व्यापारी भी लाभान्वित हो रहे हैं। प्रेस वार्ता जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि 2000 से 2014 तक की सरकारें केवल चर्चा और वादों तक सीमित रहीं, जबकि 2014 से 2025 तक भाजपा सरकार ने ठोस निर्णय लेकर जीएसटी लागू किया और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी। वहीं महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि 2014 से 2025 तक भाजपा सरकार ने ठोस और साहसिक निर्णय लिए हैं, जिसने न केवल कर व्यवस्था को पारदर्शी बनाया बल्कि आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी।

मथुरा के व्यापारियों और नागरिकों के लिए यह व्यवस्था अत्यंत लाभकारी साबित हुई है और आज देश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर, पूर्व ब्लाक प्रमुख पन्नालाल गौतम, मंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, जिला प्रभारी श्याम चतुर्वेदी महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा चंद्रपाल कुंतल, ज्ञानेंद्र राणा, ललित गौतम, प्रणय पाराशर, नितिन चतुर्वेदी, पार्षद अंकुर गुर्जर, अमन ठाकुर, विनीत शर्मा, अमित पाठक, जनार्दन शर्मा, धर्मेश नौहवार, बृजेश अहेरिया, कमला प्रसाद शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुष्पांजलि स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद हेमा मालिनी, जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे तथा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव एवं अन्य।

हत्या कर नहर की पटरी पर फेंका महिला का शव

● गले पर धारदार हथियार व रस्सी के निशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। नहर रजवाहों में महिलाओं के शव मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। इनमें से अधिकांश की पुलिस शिनाख्त भी नहीं कर पाई है। सोमवार को एक और महिला का शव नहर की पटरी पर पड़ा मिला। लोगों का मानना है कि हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। पुलिस ने शव की पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है। सोशल मीडिया का भी पुलिस सहारा ले रही है। थाना राया कट पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत गांव केहरीगढ़ी के समीप गोंगा माइनर की पटरी पर लगभग 35 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फेल गयी। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी पुलिस ने मृतका के शव के शिनाख्त के प्रयास किये लेकिन कोई सफलता नही मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। जानकारी के मुताबिक गांव केहरीघड़ी के समीप गोंगा माइनर की पटरी के समीप करीब 35 वर्षीय अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ था ग्रामीण जब अपने खेतों पर काम करने गए तो उन्होंने शव को पड़ा देखा ग्रामीणों द्वारा जिसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी। और शव के शिनाख्त कराने के प्रयास किए लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी । महिला के चेहरे पर चोट के व गले पर रस्से जैसे निशान हैं। जिससे प्रतीत होता है महिला की हत्या कर शव यहां फेंका गया है। महिला के हाथ पर गोलू प्रीत लिखा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर शिनाख्त करने के प्रयास में जुट गयी है।

नहर की पटरी पर पडा महिला का शव।

विद्यालय में संपन्न हुआ लक्ष्य बोध कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। स्थानीय विद्यालय बाबू दाऊदयाल एडवोकेट सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सलेमपुर सौंख रोड़ मथुरा, में दशम एवं द्वादश की कक्षाओं का लक्ष्य बोध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अनूप गुप्ता, विद्यालय के प्रबंधक हर्ष कुमार अग्रवाल, डॉ रोशन लाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य वक्ता डॉ अनूप गुप्ता ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर प्रेरणादायक उद्बोधन दिया और कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य होना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जीवन में अभ्यास का महत्व, बाधाओं को पार करने का जुनून, बड़े लक्ष्य की प्राप्ति हेतु छोटे छोटे लक्ष्य निर्धारित करना, केवल स्वयं से तुलना करना, अनुशासन, परिश्रम, मूलभूत कर्तव्यों का वर्णन करते हुए सकारात्मक सोच अपनाने का आह्वान किया।

वहीं डॉ रोशन लाल ने छात्र भैया बहिनों को बताया कि क्षमतानुसार लक्ष्य बनाना तथा निरन्तर अभ्यास और छोटे छोटे कदम चलकर लक्ष्य तक पहुँचा जा सकता है और भैया बहिनों को लक्ष्य प्राप्ति की प्रतिज्ञा दिलाई। विद्यालय के प्राचार्य योगेश कुमार ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा कि छात्रों को लक्ष्य तथा उद्देश्यों को क्रियात्मक रूप में अपने जीवन में उतारना चाहिए तथा इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को न केवल जागरूक करते हैं बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में भी सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम में दीपक कुमार, कुनाल चौधरी, बहिन निधि तोमर एवं प्रतिज्ञा ने अपने लक्ष्य बोध संकल्प वाचन प्रस्तुत तथा अनिकेत ने लक्ष्य बोध गीत प्रस्तुत किया जिन्हें सभी ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन श्री लतेश कुमार जी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेश कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

मथुरा में 67 करोड़ 39 लाख से तैयार हो रहा 4 मंजिला सर्किट हाउस

● दो हेक्टेयर में 15 माह में बनकर तैयार होगा मथुरा सर्किट हाउस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। करीब 6739.69 लाख की लागत से 2 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 4 मंजिला मथुरा सर्किट हाउस तैयार किया जा रहा है। अगले 15 महीनों में मथुरा सर्किट हाउस बन कर तैयार होगा। सोमवार को सांसद हेमा मालिनी, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकान्त मिश्र ने सर्किट हाउस का भूमि पूजन किया। वेटरनेरी विवि के कृषि फ़ार्म स्थित दो हेक्टेयर क्षेत्रफल में इस सर्किट हाऊस का निर्माण होना है। इस पर 6739.69 लाख की लागत आएगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में गोवर्धन के विधायक पूरन प्रकाश, पूर्व विधायक करिंदा सिंह, जिलाधिकारी चंद्र प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के एसीईओ मदन चंद्र दुबे, डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र विधि विधान पूर्वक हुए भूमि पूजन में शामिल हुए आर्किटेक्ट मयंक गर्ग ने सांसद हेमा मालिनी और कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण को सर्किट हाउस परियोजना की डिटेल जानकारी दी। जिलाधिकारी चंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि लम्बे समय से सर्किट हाउस की आवश्यता महसूस की जा रही थी। अगले 15 माह में यह सर्किट हाउस बनकर तैयार होगा। निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा किया जाएगा। यह भूतल सहित चार मंजिल का होगा। इसमें 42 लोगों के लिए डॉरमेट्री और दो बड़े आवास टाइप टू होंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके प्रथम भूतल पर 70 सीटर कान्फ्रेंस हाल, 72 सीटर डाइनिंग हॉल और पार्किंग बनेगी। प्रथम तल पर 8 रूम, 4 जनरल सूट, द्वितीय तल पर 10 रूम, 2 जनरल सूट, तृतीय तल दो वीआईपी सूट, 4 जनरल सूट तथा चौथी मंजिल पर डाइनिंग हाल, मीटिंग हॉल और दो वीवीआईपी सूट तैयार होंगे। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीइओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि जनाष्टमी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था। भूमि पूजन इस मौके पर भाजपा नेता सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, संजय गोविल, ज्ञानेंद्र राणा, कुंज बिहारी चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

सांसद हेमा मालिनी, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकान्त मिश्र ने सर्किट हाउस का भूमि पूजन किया।

महात्मा गांधी स्मारक इण्टर कॉलेज सौंख के सहायक अध्यापक निलंबित

● कालेज के प्राधिकारी नियंत्रक ने की छात्रा से अभद्रता व मारपीट पर कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। प्राधिकारी नियंत्रक एवं सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह ने महात्मा गाँधी स्मारक इंटर कॉलेज सौंख में कक्षा आठवीं की छात्रा के साथ मारपीट व अभद्रता करने पर कालेज के सहायक अध्यापक राकेश कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने 27 सितम्बर को प्राधिकारी नियंत्रक एवं सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक को लिखित रूप से अवगत कराया गया है कि कालेज के सहायक अध्यापक द्वारा 25 सितम्बर को कक्षा 8 की छात्रा (शैली) को पीठ में बहुत जोर से धूंसा मारा एवं गन्दी गाली दी तथा छात्रा को रोने पर धमकाया कि वह इसकी शिकायत घर एवं प्रधानाचार्य से करेगी तो अच्छा नहीं होगा। यही शिकायत अन्य छात्र छात्राओं द्वारा की गयी। छात्रा ने दर्द अधिक होने पर घर पर अपने अभिभावक को बताया तो अभिभावक द्वारा लिखित रूप से एक शिकायती पत्र अगले दिन विद्यालय एवं थाना, मगोर्रा में भी दिया गया। विद्यालय के अन्य अध्यापकों एवं प्रधानाचार्य ने भी शिकायत की कि उक्त शिक्षक अन्य अध्यापकों के समझाने पर गन्दी गन्दी गालियाँ व जानलेवा हमला भी कर चुके है। इससे विद्यालय एवं शिक्षा विभाग की छवि धूमिल हुई है। उन्होंने बताया कि सहायक अध्यापक राकेश कुमार सिंह अनुशासनहीनता करने आदि अरोपों में प्रथम दृष्ट्या दोषी मानते हुये उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा अधिनियम 1921 के प्रावधानानुसार दोषी सहायक अध्यापक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।निलंबित अवधि में निर्धारित निलंबन भत्ता तभी देय होगा। यह भत्ता तभी मिलेगा जब शिक्षक द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे कि अन्य कहीं भी कोई रोजगार नहीं कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला का हुआ आयोजन

● सांसद के अलावा आला अधिकारियों ने लिया भाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। महिला एवं बालिकाओं का सम्मेलन तथा क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन सांसद हेमा मालिनी, अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन आगरा, पुलिस उप महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र आगरा शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की अध्यक्षता में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम के सभागार छटीकरा में किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे अभियान फेज 5.0 के क्रम में महिलाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम एवं मिशन नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत महिला सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियो स्क्रायड, बाल श्रम उन्मूलन, शक्ति दीदी, यूपी-112, वूमेन पावर लाइन-1090 व आत्मरक्षा सम्बन्धी टिप्स एवं कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण मिशन, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देकर अभियान को सफल बनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

वृंदावन के एक होटल में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एडीजी आगरा अनुपम कुलश्रेष्ठ, डीआईजी शैलेश कुमार पांडे, जिलाधिक्ड्ड ारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत आदि सांसद हेमा मालिनी नागरिक अभिनंदन करते हुए।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने दुकानदारों को बताए जीएसटी के लाभ

● मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सभी वर्गों का विकास हो रहा हैः किशन चौधरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यो की गंगा बहा रखी है, आज उन्होंने जिला पंचायत निधि से नगला शीशराम में सवा करोड़ के विकास कार्यो का शिलान्यास व लोकार्पण किया है। जिसमें नाली निर्माण और ईट खरंजा, सीसी सड़क आदि निर्माण शामिल है। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका जगह-जगह फूलमाला, पटुका, स्वाफा एवं चांदी के मुकुट बांधकर भव्य स्वागत किया है। वहीं जीएसटी की कटौती पर सौंख के दुकानदार व्यापारियों से जिला पंचायत अध्यक्ष ने चर्चा की जिस पर दुकानदारों द्वारा केन्द्र सरकार एवं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। शिलान्यास व लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिपं किशन चौधरी ने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सभी वर्गों का विकास हो रहा है। प्रदेश सरकार की पहली प्राथमिकता गरीब, किसान और ग्रामीणों का विकास करना है।

विकासशील योजनाओं के क्रियान्वयन से पूरे प्रदेश की दशा और दिशा में आमूलचूल परिवर्तन आया है। नगला शीशराम में ग्रामीणों आज परेशानी दूर करने के लिए ही मैं आया हूं, इन विकास कार्यों से आपका क्षेत्र सुविधाओं से वंचित नहीं रहेगा। जिला पंचायत निधि से करीब 1.25 करोड़ रूपये नगला शीशराम में नाली, सीसी एवं ईट खरंजा निर्माण कार्य का शिलान्यास, लोकार्पण किया गया है। जीएसटी चर्चा के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा जीएसटी कटौती से न सिर्फ व्यापारी वर्ग को राहत मिली है बल्कि उपभोक्ताओं में भी खुशी का माहौल है। यह कदम निश्चित रूप से व्यापार को बढ़ावा देने वाला है और सरकार के ये प्रयास अर्थव्यवस्था और जनमानस दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद चौधरी, प्रताप सिंह प्रधान झुडावई, वेद प्रधान सींगापट्टी, चौहल सिंह प्रधान बोरपा, थानसिंह प्रधान शीशराम, रविंद्र भदार, नीरज शर्मा, गुड्डू बछगांव एवं सम्मानित सरदारी मौजूद रही।

जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी दुकानदारों को जीएसटी के लाभ बताते हुए।

सांसद हेमा मालिनी ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत रविवार को मथुरा की सांसद एवं प्रख्यात फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने डैंपियनगर स्थित भगत सिंह पार्क में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उपलब्धियाँ प्रदर्शित की गई थीं। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के उपरांत सांसद हेमा मालिनी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारत को सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के पथ पर अग्रसर किया है। आज देश का आम नागरिक सरकार की योजनाओं से सीधे लाभान्वित हो रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अनेक योजनाएँ गरीबों, वंचितों और महिलाओं को नई शक्ति प्रदान कर रही हैं।उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान का उद्देश्य केवल योजनाओं का प्रचार नहीं बल्कि जनता से सीधा संवाद और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

सांसद ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर घर जाकर इन योजनाओं की जानकारी दें, ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक इनका लाभ पहुंच सके। वहीं भाजपा महानगर अध्यक्ष हरीशशंकर राजू यादव ने भी संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में सेवा ही संगठन का मंत्र जन जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा भाव के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने का आग्रह किया। इस अवसर पर कुंज बिहारी चतुर्वेदी, विजय शर्मा, श्याम शर्मा, तरुण सैनी, हनुमान गुर्जर, अंकुर गुर्जर, आशीष शर्मा, सर्वेश चतुर्वेदी, राजेश पिंटू, धर्मेश नौहवार, प्रयागनाथ चतुर्वेदी, आरती चतुर्वेदी, ज्योति चतुर्वेदी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

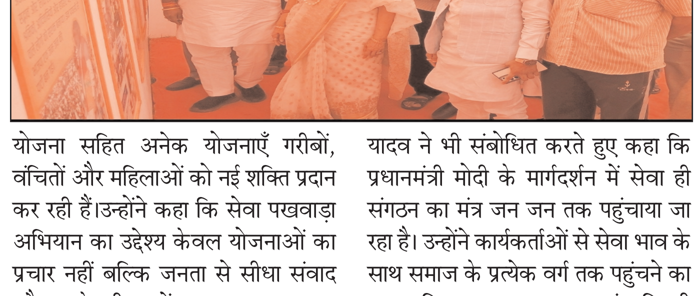

नारायनपुर में चौपाल, छात्र-छात्राओं को भी मिली जागरूकता की सीख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। थाना महाराजगंज तराई क्षेत्र के ग्राम नारायनपुर में सोमवार को चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों व महिलाओं को जागरूक किया गया। चौपाल में पहुंचे अधिकारियों ने शासन की योजनाओं की जानकारी दी और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों से अपील की गई कि किसी भी समस्या या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस व प्रशासन को दें ताकि समय रहते कार्यवाही हो सके। चौपाल के दौरान महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार योजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में हर वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं सामने रखीं जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

इसी क्रम में मातेश्वरी कन्या विद्यापीठ इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नशामुक्ति, बाल विवाह निषेध, यातायात नियमों व शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि युवा ही समाज में बदलाव के वास्तविक वाहक हैं, इसलिए उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ना होगा। विद्यालय प्रशासन ने ऐसे कार्यक्रमों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। ग्रामीणों और छात्रों दोनों को मिले इस संदेश से क्षेत्र में जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

सरकारी कार्य में बाधा डालने व धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

देवरिया। थाना कोतवाली पर अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग ने तहरीर देकर अवगत कराया कि जनपद के कोतवाली थाना क्षेत्र के महुआ बारी निवासी नुरूल हुदा अंसारी उर्फ भलाऊ द्वारा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। अभियुक्त ने अभियंता के कार्यालय में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों और फाइलों को क्षतिग्रस्त किया, गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा पैसों की मांग भी की। इस सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी नगर, संजय रेड्डी ने बताया कि तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली में उचित धाराओं में केस दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।